

जनैपूर्णिमामा मुक्तिनाथ मन्दिरमा दर्शनार्थीको घुइँचो

मुस्ताङ। जनपूर्णिमाको अर्थात् रक्षाबन्धनको अवसरमा आज मुक्तिनाथ मन्दिरमा दर्शनार्थीको घुइँचो लागेको छ। मुक्तिनाथ मन्दिरमा जनैपूर्णिमाको शुभदिन पारेर रक्षाबन्धन गर्ने, बत्ती बाल्ने र दर्शन गर्नेको उल्लेख्य उपस्थिति रहेको मुक्तिनाथ विकास समितिले जनाएको छ।

जनपूर्णिमाको दिन बर्खायामपछि पहिलोपटक दर्शनार्थीको बाबूलो उपस्थिति भएको समितिका व्यवस्थापक दिनेश भुसालले जानकारी दिनुभयो। जनैपूर्णिमा हिन्दू धर्मावलम्बीको बर्खायामपछि पहिलो पर्व भएकाले मुक्तिनाथको दर्शन तथा रक्षाबन्धन गर्न जिल्लास्थित कर्मचारी तथा स्थानीय नागरि कसहित विभिन्न जिल्लाका आगन्तुक यहाँ पुग्नुभएको उहाँले बताउनुभयो।

मुक्तिनाथ मन्दिरमा आएका दर्शनार्थीले मुक्तिनाथको दर्शन गर्नुका साथै मन्दिरका पुजारी कृष्णप्रसाद सुवेदीसँग रक्षाबन्धन गरी टीका र प्रसाद ग्रहण गरेका छन्। बौद्धमार्गीले पनि मुक्तिनाथको दर्शन गर्नुका साथै मन्दिर नजिकै रहेको ज्वालामाई गुम्बामा बत्ती बालेर धार्मिक आस्था प्रकट गरेका छन्।

समितिाका व्यवस्थापक भुसालले आज मुस्ताङका साथै छिमेकी जिल्लाका धार्मिक पर्यटक तथा भारतीय दर्शनार्थीले मन्दिर परिसरको दर्शन गरेका बताउनुभयो। आज बिहान मन्दिर परिसर भक्तजनले भरिएको थियो।

मुस्ताङको घरपफोड गाउँपालिका-३ प्याङ गाउँकी स्थानीय सीता थकालीले जनपूर्णिमाका दिन मुक्तिनाथको दर्शन गरी गुम्बामा बत्ती बाल्न यहाँ आइपुगेको बताउनुभयो। जनैपूर्णिमा शुभदिनमा आज ६० प्रतिशत स्थानीय र ४० प्रतिशत भारतीय तथा बैसीबाट आएका दर्शनार्थीले मुक्तिनाथको दर्शन गरेका मुक्तिनाथ विकास समितिले जनाएको छ। रासस



● प्रेम विदेह

कत’ गायब भ’ गेलाह मैथिली आ नेपाली साहित्यक ओ सूर्य ? जिनकर उपस्थितिसेँ मञ्च देदियमान भ’ जाइत छल। कत’ बिला गेलाह ओ महापुरुष ? जे छलाह भाषा, संस्कृति आ दर्शनक प्रतिमूर्ति। कत’ अन्तर्ध्यान भ’ गेलाह ओ साहित्य-मनिषी ? जिनका सम्मानक पुष अर्पण कएल जाइत छलनि जनकपुरसँ काठमाण्डूधरि आ मेचीसँ महाकालीधरि। कत’ निपत्ता भ’ गेलाह ओ देशक सपूत ? जे गओने छलाह : नईं मधेशी, नईं पहाडी, नईं हिमाली लिखल जाए।

मरलापर पहिचान हमर नेपाली लिखल जाए !!
(नेपाली पाँति क मैथिली अनुवाद)
कोना मिभ्रा गेलाह ओ जगमगाइत दीप ? जे लिखने छलाह:
‘मानल जे भ्रम्रा भ्रकोर बड़ा जोर अछि, आशाकेर दीपक जरीने चल्ू मीत हे।’
कत’ गुम भ’ गेलै ओ प्रखर ध्वनि ? जे बहुतो साहित्यकार, सांसद, मन्त्री, उपकुलपतियोपर भारी छलै। कत’ छीप गेलाह ओ मानवताक पुजारी ? जे प्रेम, अहिंसा आ सद्भावक प्रसाद बँटैत छलाह।

नजरि खिरा रहल छी दशो दिशामे, कतौ भ्रलक देखि नहि रहल छी। गुरुवर राजेन्द्र विमल नहि रहलाह से विश्वासै नहि होइए। ई शहरो बुभाइए उदास। शहरक सङ्ग हमहुँ उदास, निराश आ अनाथ भेल बुभाइत छी जेना पिताक मृत्युपश्चात् महसूस भेल रहए। सर आब स्मृतिशेष रहि गेल छथि। स्मृतिक रील घूमि रहल अछि पाछामुहें।

हम रा.रा.ब. कौलेजमे आइ.ए. मे पढैत रही। एकटा सक्की कहलनि, “विमल सर नेपाली पढबैत छथि फिल्मी स्टाइलमे–हिरो-हिरोइनक उदाहरण द’ क’। बड़ मजा अबैत छै।’ तखने हमरो उत्सुकता जागल हुनक पढौनी देखबाक लेल। हमर सेक्सनमे हुनक घण्टी नहि रहनि। तएँ, दोसर सेक्सनमे गेलौं साहस कए। हुनक दर्शन भेल। नमगर आ सन्तुलित शरीर। कोट, पैन्ट, जुत्ता आ शिरपर नेपाली टोपी। भव्य मुखमण्डल। हुनक छविए देखि मोहित भ’ गेलौं। पढौनाइ ठीके मजगर लागल। हमर मनमे एकटा प्रश्न अहुरिया कटैत छल। पाठक समाप्तीबाद

सरसँ प्रश्न पुछबाक साहस जुटएलौं, “सर, एकटा नेपाली व्याकरणमे लिखल छै – पत्र सेहो निबन्धक एक प्रकार अछि। से हमरा चित्त नहि बूझि रहल अछि।” “हैं, ओ गलत लिखल छै। पत्र त एक-दोसराक मनक संवाद अछि ; भावक सम्प्रेषण अछि। निबन्ध नहि।’ सुनलापर मनक ओभर्री सोभरा गेल। ओही दिन हम हुनकर ‘फेन’ भ’ गेलौं। हुनक स्वभाव एतेक सरल आ विनम्र छलनि जे विद्यार्थीयोके प्रणामक जवाब दुनू हाथ जोड़ि क’ दैत छलथिन। हुनकर सरलता, मधुरता आ अध्यापनकला हुनकादिस घींच लेलक हमरा। तएँ, दिमागी ताजगीक लेल हुनक कक्षामे चलि जाइत छलौं कहियोकाल।

ओहि दिन सरसँ प्रश्नोत्तर नेपालीमे भेल छल। हुनकर नेपाली टोपी देखि हम पहाड़ी बूझैत छलैऐनि। बादमे मालूम भेल जे ओ मैथिलिएभाषी छथि आ स्थानीय छथि– देवीचौकर घर छनि। तखन हम नजदीक होबाए चाहलौं।

नेपाली आ हिन्दी विषयक अध्ययनसँ हमरो मनमे भाव उत्पन्न भेल जे हमहुँ किछु लिखी। से, आइ.ए. पहिल वर्षक परीक्षा द’ क’ गाम गेलौं त लिखलौं एकटा नाटक नेपाली भाषामे– २०४३ मे। जनकपुर अएलापर सरके देखौलऐनि – त्रुटि जाँचक लेल। ओ त्रुटि नहि बतौलनि जखनकि ओहिमे भ्रमरार त्रुटि रहै। ओहिमे नाटकीय मूल्य रहबै नहि करै। ओ एतबै कहलनि, “अपन मातृभाषामे लिखू–मैथिलीमे।।” तकर बाद अपन भाषामे लिखबाक मानसिकता बनएलौं। किछु मैथिली कथाक अध्ययन कएलौं। दोसर वर्षक परीक्षा द’ क’ गाम गेलौं त एगारहटा कथा लिखलौं। शुद्धिकरणक लेल देलिऐनि। फेर काँपी आपस आनए गेलौं हुनक घरपर। जाढ़ मासक ठाढ़ आ धोन्हि रहै। सर वैठक कक्षमे अएलाह। गोर लगलिऐनि। कथाबला काँपी देलनि। एक-दूटा कथामे शुद्धशुद्धि देखने रहथिन। भरिसक कथासभ अकथा छलै तएँ विशेष टिप्पणी नहि क’ सुभाओ देलनि, “आर अध्ययन करू–मैथिली आ हिन्दी कथासभ।” सङ्गहि एकटा चिट्ठी लिखि देलनि पत्रकार आ साहित्यकार रामभरोस कापड़ि “भ्रमर” क नामे। ओहिमे लिखल रहै : ई हमर छात्र उदयीमान रचनाकार छथि। हिनका अपन सम्पर्क–सूत्रमे बान्हि लिओन्हि।

२०४५ सालमे हमर ‘दलकी’ कथा ‘गामघर’ साप्ताहिकमे छपल आ पहिल कृति ‘आधुनिक जोगीरा’ २०४८ फागुनमे जानकी पुस्तक भण्डार छपलक। से देखि सर बड़्ड खुश भेल रहथि। हम मैथिलीमे रचना करबाक अभ्यास करैत रहलौं आ सरसँ सुभाओ लैत रहलौं। साहित्यिक सङ्गसङ्ग आनो विषयपर गप्पसप होइत रहल। हुनक समीप गेलापर कतबो भारी माथ हल्लुक भ’ जाइत छल।

२०४६ क जनआन्दोलनमे हम प्रजातन्त्रक पक्षमे रही। विद्यार्थी युनियनक मौन जुलूसमे

संस्मरण मृत्यु थिक यवनिका

सहभागी भेल रही। उग्र जुलूसमे सहभागिताक हिम्मत नहि भेल छल। तएँ, मनमे कुण्ठा छलस इन्द्र छल। एक मन कहैत छल – प्रजातन्त्रवादी छी त आन्दोलनमे जएबाक चाही, लड़बाक चाही, मरबाक चाही। दोसर मन पाछा हटि जाइत छल। ऊहापोहसँ दिमाग असन्तुलित भ’ गेल छल। तखन सरलग पहुँचलौं। ओ उपयुक्त समाधान देलनि, “जकर जेहेने क्षमता छै तेहेने सहयोग करतै ने। केओ तनसँ करतै, केओ धनसँ करतै, केओ नैतिक समर्थन करतै। केओ कविता-गीत लीखिक’ जनताके जगएतै। हमरा बन्दूक चलाब’ नई अवैए त किए चलाब’ जाएब ? प्रजातन्त्र माने जबरदस्ती थोड़बै होइत छै ! स्वेच्छा आ क्षमताअनुसार काज करी।” तखन चयनक साँस फेरलौं।

एकटा आर प्रसङ्ग मन पड़ल। मिथिला



नाट्यकला परिषद्क मासिक कविगोष्ठी चलैत रहै–२०४७ मे। प्रत्येक मास अलग स्थान आ चौकपर आयोजन होइत छलै। प्रायः सभ गोष्ठीमे काव्यपाठ करैत छलौं। एम्हर लोकलयपर आधारित रचना सेहो करए लागल छलौं। एकटा गोष्ठी रहै रामानन्द आश्रममे – पूस मासमे जाहिमे विमल सरद्वारा रचित ‘कहियाधरि’ दीर्घ कविताक महराइ–रूपान्तर प्रस्तुत कएने रही। से सून सर भावविह्वल भ’ गेलह। अपनालग बजा, गाल खूबक’ कहलनि, “बौआ, हमर रचनासँ तोहर रूपान्तरे नीक छी।” ई हुनक महानता छल।

एक बेर सर एकटा गोष्ठीमे उपदेश देने रहथिन– “केओ हिसाब राखए, नई राखए, अपन काज करैत चली। इतिहासमे सभ दर्ज होइत जाइत छै।” ई बात अपन गजलक पाँतियोमे

कहने छथि :

स्वेद, रक्त, अश्रु जे बहैछ लक्ष्यमार्गमे, काल-मसिपात्रमे जमा रहैछ टोप-टोप।

‘काजक लेल केओ धन्यवाद दए, नई दए, अपनाके अपने धन्यवाद दी।’ कहैत अपने हाथे अपन पीठ ठोकि लेलनि, “धन्यवाद विमल !”

किछु नहि बिसराएल छी। हमर लिखल मैथिली गीतक कैसेटक विमोचन २०६१ मे आ जीवनक पहिल सम्मान ‘श्यामकला मल्लिक साहित्य पुरस्कार’ २०७२ मे कुरता, पैजामा, बण्डीमे सजल विमल गुरुवरक कर-कमलसँ प्राप्त भेल त मन गदगद भ’ गेल रहए। हमर पहलमे स्थापित ‘मैथिली साहित्यकार सभा’ के हुनकर प्रोत्साहन, निर्देशन, आशीर्वाद भेटलै तएँ संस्था आगा बढ़लै। ओ एहि संस्थाके ‘मैथिली साहित्यकारलोकनिक संसद’ कहने छलाह।

खोलिक’ बधाइ देलनि।

मैथिलीमे स्वरचित ‘धधरा’ (कविता संग्रह) आ सम्पादित ‘मधुश्रावणी पूजा’ (व्रतकथा) तथा ‘काव्य वाटिका’ (कविता संग्रह) क भूमिकामे हमरा बारे बढ़ाचढ़ाक लीखि देने छथि। किएक ? किएक त विमल गुरूक हृदय विमल आ विशाल छलनि। ओ हमर आ सभक कल्याण चाहथि। शिष्यसभ उत्साहित रहए, रचना करैत रहए, प्रकाशित करैत रहए से हुनक मनोरथ रहनि। बहुत पहिने गुरु-शिष्यक सम्बन्ध पारिवारिक सम्बन्धमे (पिता-पुत्रजका) बदलि गेल छल। तएँ, सर अपन खुशी आ पीड़ा दुनू सुनबैत छलाह। ‘ कतौ बजिहा नई’ कहैत अपन गोपनीय बात सेहो कहि दैत छलाह।

चारिए दिन पहिने गुरुजीसँ साहित्यिक अन्तरवार्ता लेने छलौं। हुनकर स्मरणशक्तिक लोहा मानए पड़त। ओ पाँचे कक्षामे जे पहिल कविता लिखने रहथि से ८० वर्षक उमिरमे ‘ यादे ! ‘रचना केहन होएबाक चाही ?’- जिज्ञासापर ओ कहलनि, “रचना तीन प्रकारक होइछ – निर्माण, उत्पाद आ सृजन। जोड़टी जोड़िक’ लिखब निर्माण, बजाकर हिसाबसँ लिखब उत्पाद आ अनुभूतिसँ मौलिक लिखब सृजन अछि।”

मालूम नहि छल जे सर चारिए दिन बाद पञ्चतत्त्वमे विलीन भ’ जएताह। मृत्यु अनिश्चित अछिस क्षणभङ्गुर अछि। तएँ, उचित काज कइए लेबाक चाही। मुदा, सर अपन गजलमे कहने छथि :

जीवनकेर नाटकमे मृत्यु थिक यवनिका, यवनिकाकेर अर्थ नहि नाटककेर अन्त थिक।

माने जीवन एकटा नाटक अछि आ मृत्यु एकटा परदा। एकटा परदा खसलासँ जीवनरूपी नाटकक अन्त नहि होइछ। उपर्युक्त पाँति पूर्वीय दर्शनपर आधारित अछिस जीवनक निरन्तरताक संकेत अछि।

गुरुवरक कृति, प्रवचन आ भेंटघाँटक अनेको प्रसङ्ग अछि, सभक वर्णन असम्भव अछि। मुदा, एकटा प्रसङ्ग कहौटा पड़त। ओहि दिन अन्तरवार्ताक क्रममे ओ महान हिन्दी साहित्यकार प्रेमचन्दक देहान्तरप दुख प्रकट कएने छलाह, “समाज आ सरकार कतेक कठोर छलै जे हुनकर दाहसंस्कारमे मात्र एगारहगोटो सहभागी भेल रहै !” मुदा, सरक साहित्यिक योगदानक कदर भेलनि। हुनक शवयात्रामे सांसद, मन्त्री, शिक्षक, प्राध्यापक, साहित्यकार, कलाकार, पत्रकारसहित भारी संख्यामे आम नागरिक सहभागी भेलनि। दाहसंस्कारमे राष्ट्रिय सम्मान भेटलनिस बाजा बजाक आ बन्दूक ‘पटकि’ सलामी देल गेलनि। हमहुँ गुरूक चितापर एकटा लकड़ी धएलौं, तीन बेर परिक्रमा कएलौं आ अन्तिम प्रणाम कए घर घूरि गेलौं–हृदयमे चित्कार लेने, यादक संसार लेने।

ट्रैक्टर दुर्घटनामा ३४ जना घाइते, २० जनालाई थप उपचारका लागि काठमाडौँ पठाइयो

खोटाङ। धार्मिक मेला भेरे घर फर्कैदै गरेको अवस्थामा खोटाङ्मा ट्रैक्टर दुर्घटना हुँदा ३४ जना भक्तजन घाइते भएका छन् । दितेले रुपाकोट मझुवागढी नगरपालिका-६ नेपास्थित भुलभुले ट्रैक्टरकुड्मा लागेको धार्मिक मेला भरे घर फर्कैदै गरेका भक्तजन चढेको ना०त ४५५५ नम्बरको ट्र्याक्टर सोही नगरपालिकाको वडा नं २ सेल्मास्थित छेमखोलामा दुर्घटना भएको हो।

गुडिरहेको ट्रैक्टरको पछाडिको भाग बीच सडकमा घोटिएर भएको दुर्घटनामा पाँच जनाको अवस्था गम्भीर रहेको जिल्ला प्रहरी कार्यालयका जिल्लामा भीषण वर्षा भइरहेको छ । जिल्लाका उपचार सम्भव नभएपछि अस्पतालले २० जनालाई थप उपचारका लागि काठमाडौँ रेफर गरिसकेको छ । घाइते १४ जनाको यही उपचार भइरहेको छ ।

अस्पतालले रेफर गरेका घाइतेलाई एम्बुलेन्स तथा सुमो जिप रिजर्भ गरेर उपचारमा पठाइएको दितेले रुपाकोट मझुवागढीका उपमुख्य हिशन राईले जानकारी दिनुभयो । “दिउँसेदेखि जिल्लामा भीषण वर्षा भइरहेको छ । निरन्तरको वर्षले उद्धारमा स्पेत समस्या

सबै घाइतेलाई उद्धार गरेर जिल्ला अस्पताल दितेले ल्याएका छौं । अहिलेसम्म कसैको पनि पहिचान खुलेको छैन”, उहाँले भन्नुभयो, “पाँच जनाको अवस्था गम्भीर छ । घाइतेको टाउको हातखुट्टा तथा शरीरका विभिन्न भागमा गहिरो चोट लागेको उपचारमा संलग्न स्वास्थ्यकर्मीले बताएका छन् । भक्तजन चढेको ट्र्याक्टर दुर्घटना दिउँसो २:०० बजेको समयमा भएको प्रत्यक्षदर्शीले बताएका छन् ।

ट्र्याक्टर दुर्घटनावलगत्तै चालक ओखलढुङ्गाको सिद्धिचरण नगरपालिका-७ का २३ वर्षीय रिनिमा शेर्पालाई प्रहरीले नियन्त्रणमा लिएको छ । रासस

श्री जनता माध्यमिक विद्यालय, बनौटा						
बलवा न.पा. वार्ड नं.-७, जि. महोत्तरी, मधेश प्रदेश नेपाल						
खुल्ला विज्ञापन सम्बन्धी सूचना						
यस विद्यालयका शिक्षक छनौट समितिको मिति २०८३/०५/०९ गतेको निर्णयअनुसार यस विद्यालयमा मा.वि.(+२) तर्फ र प्रा.वि.राहत तर्फ शिक्षक पदमा कारामा नियुक्ति गर्नको लागि नियमानुसार खुल्ला प्रतियोगिता बाट छनौट गरिने हुदा दरखास्त आह्वान गरिएको व्योहारा अनुरोध छ।						
विज्ञापन प्रकाशन मिति: २०८३/०५/०९ गते दिखि फाराम भर्ने अन्तिम मिति: २०८३/०९/०८ गते सम्म ।						
तपसिल						
सि. न	विज्ञापन न.	पद	पद संख्या	तह श्रेणी	परीक्षाको किसिम	नियुक्तिको किसिम
१	०१/२०८३/०८४	उ.मा.वि. शिक्षक	१ (एक)	मा.वि. द्वितीय	लिखित र अन्तरवार्ता	लेखा करार
२	०२/२०८३/०८४	प्रा.वि. राहत	१ (एक)	-	लिखित र अन्तरवार्ता	- करार
विज्ञापन न. ०१/२०८३/०८४ र विज्ञापन न. ०२/२०८३/०८४ का लागि आवश्यक शर्तहरू :-						
क) शैक्षिक योग्यता :- उ.मा.वि. शिक्षकका लागि मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्था बाट स्नातकोत्तर MBA वा MBS द्वितीय श्रेणीमा र प्रा.वि. राहतका लागि शिक्षा विषयमा कम्तिमा + २ उत्तिर्ण गरेको हुनु पर्ने छ।						
ख) उमेर :- १८ बर्ष पूरा भइ ४० बर्ष ननाघेको।						
ग) नागरिकता :- नेपाली हुनु पर्ने।						
घ) परीक्षा दस्तुर :- उ.मा.वि. का लागि रु. २१००/- (दुई हजार एक सय मात्र) र प्रा.वि.राहतका लागि रु. १५००/- (एक हजार पाँच सय मात्र)।						
ङ) शिक्षक अध्यापन अनुमति पत्र प्राप्त गरेको हुनु पर्ने।						
दरखास्त फारामका साथ संलग्न गर्नु पर्ने आवश्यक कागजातहरू :-						
१) विद्यालयले तोकेको दरखास्त फाराम :- १ थान						
२) पासपोर्ट साइजको फोटो :- २ प्रति						
३) एस.एल.सि. / एस. ई.ई. देखि माथिल्लो योग्यताको सम्पूर्ण प्रमाण पत्रहरूको प्रमाणित प्रतिलिपि।						
४) नेपाली नागरिकताको प्रमाणित प्रतिलिपि।						
५) शिक्षक अध्यापन अनुमति पत्रको प्रमाणित प्रतिलिपि।						
६) परीक्षा दस्तुर तिरेको बैंक भाउचर रसिद वा नगदी रसिद।						
सम्पर्क मिति :- २०८३/ ०६/ १० (मोबाइल नम्बर ९८४४०५४३३३, ९८१९८९१९०९)						
प्र. अ						

राष्ट्रिय विपत्तिले खल्लो भयो जनैपूर्णिमा



काठमाण्डु। शुक्रबार देशभर नयाँ जनै (यज्ञोपवीत) एवं रक्षाबन्धन धारण गरेर जनैपूर्णिमा पर्व मनाइयो।

वैदिक परम्पराअनुसार जनैलाई ब्रह्मसूत्र अथवा ज्ञानको धागोका रूपमा पनि सम्मान गर्ने गरिन्छ। आज पूर्णिमाका दिन रक्षाबन्धन बाँध्न र नयाँ जनै फेर्न बिहानैदेखि काठमाडौँमा पशुपतिनाथदेखि अन्य मठमन्दिर परिसर, पवित्र नदी किनार र देशभरका देवालयहरूमा भक्तजनको भीड लाग्ने गर्छ।

आजका दिन बिहानैदेखि वैदिक सनातन धर्मावलम्बीले स्नान गरेर गुरु पुरोहितबाट रक्षा सूत्र बाँध्ने प्रचलन छ। तागाधारीले गुरु पुरोहितले विधिपूर्वक मन्त्रिएको यज्ञोपवीत एवं डोरो (रक्षामूत्र) धारण गरेमा नकारात्मक तत्वबाट सुरक्षा प्राप्त हुने धार्मिक विश्वास र्हा आएको छ।

आजकै दिन ११ थरिका गेडागुडी मिसाइ भिजाएर टुसा उमारेर बनाइएको क्वीटी खाने प्रचलन पनि छ। क्वीटीको पनि धार्मिक तथा आयुर्वेद शास्त्रीय मान्यता छ।

तर, जनैपूर्णिमा र क्वीटी खाने आजको पर्वमा कतै उल्लास भने छापन। बरू यतिखेर दुई दिनअघि रसुवा जिल्लाको भोटेकोशीमा अकस्मात आएको बाढीले पुर्‍याएको क्षतिका कारण देशभरि शोक छाएको छ।

यसकारण अधिल्ला वर्षहरूमा जस्तो यो वर्षको जनैपूर्णिमा पर्वमा कुनै रौनक देखिएको छैन। पर्व मनाउन आफन्तकहाँ जानेहरूलाई पनि बाढीले बाटो बिगारिदिएका कारण आवतजावतमा कठिनाइ भएको छ। कीर्तिपुर बस्ने शोभित अर्याल

सधैँ जस्तै यसवर्ष जनैपूर्णिमा पर्वमा आफ्नो घर चितवन जान पाउनुभयो। बुबाआमा भेट्न र पर्व मनाउन सधैँ चितवन जाने वर्षौँदेखिको निरन्तरता यसवर्ष रोकिएको जानकारी दिँदै उहाँ भन्नुहुन्छ, “पहिलो कुरा त बाढीले पारेको बिचल्ली देखेर मन बेचैन भयो र जान मन लागेन। अर्को कुरा पृथ्वी राजमार्ग बिग्रिएका कारण पनि जान सकिन।”

यस वर्ष शुक्रबार पूर्णिमाका दिन शुक्रबार परेकाले त्यसपछिको लगातार तीन दिन बिदा मनाएर सोमबार मात्र कार्यालय जाने योजनामा रहेका धेरै कर्मचारी तथा अन्य नागरिक घरबाट निस्कने पाएन्न्।

बुधबार बिहान ८:४५ तिर चीनतर्फबाट लेन्दे खोलामा आएको बाढी रसुवागढी हुँदै नेपाल छिपछि त्यसले ल्याएको विपत्तिले देश शोकमग्न बनायो। उक्त विपत्तिपछि आज अपराह्नसम्म ५०० भन्दा बढी नागरिकको ज्यान गइसकेको छ भने अरु सयौँ जना सम्पर्कविहीन छन्।

सो बाढीले रसुवाका रसुवागढी, सूर्यक्रुबेसी, टिपुमे हुँदै यता नुवाकोट जिल्लाका त्रिसुली, बेत्रावती, देवीघाट आदि

स्थानमा रहेका बस्तीमा ठूलो क्षति पुर्‍याएको छ। यसबाट धेरै परिवार घरबारविहीन भए भने कैयौँ घाइते भएका छन्। जनैपूर्णिाको यो तिथि वैदिक सनातन धर्मावलम्बीहरू रसुवाको गोसाइँकुण्ड नुहाउन जाने समय पनि हो। यो याममा त्यहाँ लगभग देशभरिका जिल्लाका नागरिक पुगे गर्दछन्। यही समय पारेर स्थानीय सङ्घसंस्था एवं तीर्थस्थलसँग सरोकार रहेकाहरूले गोसाइँकुण्डमा मेलाको पनि आयोजना गर्ने गर्दछन्।

यसकारण पनि त्यहाँ धेरैजना तीर्थयात्री एवं मेला भर्ने जाने नागरिकहरू परेको अनुमान गरिएको छ। हिजोदेखि नै गोसाइँकुण्ड नुहाउन पुगेका नागरिकहरू हराएका सूचनाहरू आउन थालेका छन्। यसले पनि आजको पर्व देशभरि खल्लो बनाएको छ।

उता, अर्को तीर्थस्थल मानसरोवर जाने याम पनि यही रहेको र पछिल्लो समय रसुवागढी हुँदै त्यसतर्फ जाने तीर्थयात्रीहरूले सट्.या बद्दै गएकाले उनीहरू पनि बाढीको चपेटामा परेका

अनुमान गरिएको छ।

यसरी गएका यात्रुहरू के कति मात्रामा थिए भन्ने कुराको जानकारी नभएको र समाचारमा आएअनुसार रसुवागढी क्षेत्रमा तथ्याङ्क राख्ने कार्यालय नै बाढीले बगाइ दिएकाले हराएका व्यक्तिको सट्.या यकिन हुन सकेको छैन। उक्त बाढीले अहिलेसम्म के कति भौतिक सम्पत्तिको क्षति पुर्‍यायो भन्ने तथ्याङ्क आइसकेको छैन। त्यस्तै मानवीय क्षतिको पनि अभैँ यकिन हुन सकेको छैन।

उद्धारको काम जारी रहेकाले कतिपय अट्ठायारो अवस्थामा रहेका व्यक्तिलाई सुरक्षार्कमी र स्थानीयले उद्धार गरेर सुरक्षित स्थानतर्फ लगेररहेका छन् भने अभैँ कतिजना हिलोमा पुगिएका तथा बगाएर अन्यत्र पुर्‍याएको अवस्थामा छन् भन्ने नै स्पष्ट छैन।

नेपाली सेनाका प्रवक्ता राजाराम बस्नेतले प्रभावित जिल्लाहरू रसुवा, नुवाकोट, धादिङ र उता भोटेकोशीको बाढी नारायणीसम्म पुगेकाले चितवन जिल्लामा गरी नेपाली सेना तदारुकताका साथ उद्धारको काममा खटिरहेको जानकारी

जनकपुर टुडेको फेसबुक पेजमा विभिन्न पाठकहरूले पठाएका कविता/गजलहरू

॥ रक्षा बन्धन ॥ मिलाप के आश रखैछै सबहक भाइ बहिनी जौ अवैछथ राखी बन्धन पुर्णिमा अन्नतकाल के द्रौपदि के प्रेम कृष्णजि सँग सौ भाइबहन आँचरा चिरके कृष्णजि के खुन लतपत आँगुल बाँन्है छै सोहे प्रेम उज्जवल रिस्ता भाइ बहनके कृष्ण लेने छै रख्या सुत्र द्रौपदिके रच्छया के के बहिनदिदि भेल पराइ जहिया गेलौ सासुर भाइभैया भगेल सखि जहिया भगेल घरवाली मायबाप साथै सोचमे परल कि दुजाभेल धियापुताके शादि होएते अटुट प्रेम क बन्धन राखि स्वरुप कलाइ जगमगाइछै सब भाइभैया के ब्यवहार मे उतारै छै केहु त्योहार मनावै छै यि रख्याशुत्र बन्धन मोबाइल वाइफाइके जमाना छै राखि के सभहक दिवाना छै बहिनोके सिमाना छै नैहर पहुँचके बहाना छै केहो बहिनी भाइ ल पहुचत केहो भाइ बहिनी ल पहुँचत बन्धन कच्चे धागेके लेकिन मजबुत रिस्ता बिस्वास आ सदभावके भाइबहन के प्यार रख्या बन्धन त्यौहार  कवि प्रमोद राम जनकपुरधाम ॥ रक्षा बन्धन (२०८३) ॥ यो रक्षाबन्धनमा खाली कसैको हात नहोस कुनै दिदीको आँखामा आँशुको बर्षात नहोस्... ससुरा गएकीन बहिनी रक्षाबन्धन मा घर आए बहिनीको सम्भनमा दाजुको मन निरास नहोस्... रक्षाबन्धन को दिनमा पनि दाई मेरोको खबर छापिए जिवनको यहि रित हो हेरेर कोहि हतास नहोस्... खाडी बाट आएको लाश हेरेर बहिनी स्तब्ध भए कुनै बहिनी दाजुभाई नहुँदा अब अनाथ नहोस्... बहिनी बिहेको ऋण चुकाउन खाडी गएको भाई मुत्यु हुदा बहिनीको खुशी एकपल मै शम्शान नहोस्... देशमै रोजगारीको अवसर मिलाई देऊ सरकार कसैको हृदयमा अब बेदनाको आघात नहोस्...  बलराम गुप्ता वडा सदस्य जनकपुरधाम उप-महानगरपालिका ११ । मेरो देश रोइरहेछ ॥ मेरो देशको हालत हेर्दा, आज मन धेरै रोइरहेछ, आँखा अगाडि आफ्नै मान्छेहरू दुख्दा, यो मुटु भित्रिभित्रै चिरिइरहेछ कसैको घर बाढीले बगायो, कसैको सपना बाढीले लग्यो, कसैको आँखाको आँसु रोकिएन, कसैको संसार एकैछिनमा उजाडियो। म टाढाबाट हेरेर बस्न सकिदैनं, तर सबैको पीडा मेटाउन पनि सकिदैनं, मनमा धेरै कुरा छन् देशका लागि, तर हातमा सामर्थ्य थोरै छ— त्यही कुराले भन् पोलिंरहेछ म ठूलो मान्छे होइन, ठूलो सहयोग गर्न सक्ने हैसियत पनि छैन, तर यो देश मेरो हो, यहाँ रोएको आँसु मेरो पनि आँसु हो। त्यसैले आफ्नो तर्फबाट सानै सही, एउटा हात बढाएँ, सायद मेरो सहयोगले कसैको पीडामा एकछिन भए पनि आशाको दियो बालिदियोस्। आज मेरो मन धेरै भारी छ, देश हौंस नसक्दा म कसरी हौँसुँ? मेरो देशका आमाबुबा रोइरहँदा, म कसरी खुसी मनाऊँ? हे भगवान्, मेरो देशलाई यति धेरै पीडा नदेऊ, बाढीले बगाएको घर फेरि बनोस्, टुटेको मन फेरि जोडियोस्, र एक दिन मेरो नेपाल फेरि खुलेर मुस्कुराओस्। मेरो सहयोग सानो होला, तर मेरो देशप्रतिको माया कहिल्यै सानो हुनेछैन।  लेखक: दिलीप कुमार दास ठेगाना: धनुषाधाम -०८ लक्ष्मीपुर ॥ भोटेकोसी नदी उर्लियो ॥ गाउँ सुनसान थियो सबै जना आफ्नो कर्म क्षेत्रमा थिए अचानक भोटेकोसी नदी बौलाहा भयो घर जमिन स्कूल गाडी मानव बस्ती सगै लिएर गयो । भोटेकोसी नदी उर्लियो तिमी हरूले मलाई बाध बाध्छौं । मेरो हिडने बाटो रोकने नरोक मलाई म बिस्कोट हुनेछु । नछेक मलाई म ज्यालामुखी बन्नेछु मेरो शितल छहारी, मेरो ओत हरू तिमिहरूले तिमीहरू ले बिनाश गरेको छौं । भोटेकोसी नदी उर्लियो जब म विस्कोट हुनेछु । जब मेरो गति तीव्र हुनेछ । अनि मलाई तिमीहरूले औँला उठाउछौ। मेरो अस्तित्वमा? नरोक मलाई नछेक मलाई हेलो म सुनकोसी हो भोटेकोसी हो मेरो किनारमा आएर तिमिहरू मानव-बस्ती हरू बनाउछौ। मलाई धुलो-धुवाँले प्रदुषण पार्छ । म आफ्नो गतिमा दौडिरहेको छु मलाई रोकेर तिमीहरू ठुला- ठुला कम्पनी हरू चलाउछौ। भित्र - भित्र मलाई जलाउछौ। अनि दोष हरू मलाई दिन्छौ। तिमिहरू मानवजाती , प्रकृति पुजारी मान्छे तर आजभोलि तिमीहरू बिनाश गर्दैछौं । नरोक मलाई नछेक मलाई हेलो सुनकोसी हो म त्रिशूली हो होशियार ..! हे मानवजाती हरू , मेरो छेउमा मित्रता गास्नु नआउनु , म कोही बेला आधी- हुरी बनेर आउछु होशियार ...! म भोटेकोसी हो ॥  प्रेम शर्मा 'एकान्त प्रेमी' कालेबुङ ॥ मौनताको परिधि ॥ हे मेरी प्रियतमा, तिमी किन नबोलेको? तिम्रो शान्तिको मौनताले मेरो हृदयलाई तोडेको छ मैले थाह पाइन, “मेरो भूल के हो?” तिमी मेरो मार्गदर्शन बनेर आज, हे मेरी प्रियतमा। तिमी तीर्सी जस्तै सुन्दरी छ्यौ, तिम्रो ति ओठले महका चाकबाट मिठास चुहाउँछ। तिम्रो शरीर फूल जस्तो कोमल छ, तिमी प्रभात कै उदय भएकी, चन्द्रमा कै सुन्दरी, हे मेरी प्रियतमा। तिमी छोपिएको मुहान जस्तै छ्यौ, तिम्रो हारको रत्नले तिमी मेरो हृदय चोरेकी छ्यौ। तिम्रो त्यो मिठो आवाजले मलाई मोहित तुल्याएको छ, मेरो जीवन तिमीमा सुरु भई, तिमी मा नै अन्त्य भएको छ। मेरो प्राणले तिमीलाई खोज्दै छ, हे मेरी प्रियतमा, तिमी एक पल्ट बोलन तिमिलै दिएको हरेक दण्ड सहनेछु। तिमिलाई आफ्नै जीवन सँगिनी ठानेको छु, हे मेरी प्रियतमा। तिम्रो अगाडि म त विदेशी भैँ भएको छु, म त चोकरीमा जमेको घानी भैँ भएको छु। मलाई एकलै छोडी न जाऊ, आऊ मेरो नजिक, म त बिहानमा परेको कुहिरौ भैँ भएकी छु, हे मेरी प्रियतमा।  लेखक : धनश्याम कुमार शर्मा ठेगाना : जनकपुरधाम-११ ॥ मेरो देश : सङ्कटमा मानवता ॥ चारैतिर हाहाकार अनि प्रकृतिले, भन्फन् विकराल रुप लिँदै छ । विश्वकै सुन्दर, शान्त मानिने मेरो देशमा, अहिले प्रकृतिले सङ्कटको परिवेश सिर्जना गर्दै छ । कतै पूर्वाधारको क्षति छ यहाँ , कतै कयौँ ज्यान-धनको विनाश छ । यस्तो कठिन समयमा पनि सेना-प्रशासन, दिनरात नभनी उद्धारमा हरपल तैनाथ छन् । ठूलाठूला घर र भवन पलभरमै भत्किँदै छन्, यातायात चल्ने सडक अहिले नदी बन्दै छन् । ठूलाठूला सपना बुनेर सजाएका मन र महल, पलभरमै बगेर यहाँ सखाप हुँदै छन् । बदै गरेको शवलाई छाडी, खोज्छन् भौतिक सामान यहाँ, लुछ्छन् गहना मृत शरीरको, छैन अब बाँकी कतै मानवता र सद्भाव यहाँ। कोही ज्यान जोगाउन भागाभाग छ यहाँ, कसैलाई सिलिन्डर पाउने आशा छ यहाँ। भुलेर मानवता आजभोलि यो समाज, केवल सम्पत्तिकै लाचार दास हुँदै छ यहाँ।  लेखक : पर्वत राज रऱखाल (पर्साल धनुषा) ठेगाना : ग. चा.न.पा.१ (धनुषा) ॥ मेरो देश सङ्कटमा छ ॥ माटो रूँदैछ आज, आमा बोलाउँदैछिन्, सङ्कटको यो घडीमा, आफ्नाहरूलाई सम्झिँदैछिन्। जसले हुर्काए यो छातीमा माया दिएर, आज तिन् सपनाहरू आँखै अगाडि जलिरहेछन्। हिमालको त्यो उच्च टाउको आज झुकेभैँ लाग्छ, तराईको सिरानमा आँसुको नदी बगेभैँ लाग्छ। पहाडका चौतारीहरू सोध्छन्- “कता गए हाम्रा मान्छे?” शान्तिको यो देशमा फेरि आँधी चलेभैँ लाग्छ। वीरहरूको रगतले सिञ्चित यो पवित्र भूमि, आज किन स्वाभिमान खोज्दै हार मान्दैछ? बल्ल-बल्ल बालेको आशाको एउटा दियो, कालो बादलको छायाले निभाउन खोज्दैछ। तर हार मान्नु छैन, यो माटो हाम्रो हो, हरेक नेपालीको धड्कनमा देशको माया जीवित छ। यो अँध्यारो रात काटिनेछ, बिहानी फेरि आउनेछ, हामी मिलेर उठाउनेछौँ, मेरो देश फेरि हौंस्रेछ।  अजय कुमार साह पलचौक जनकपुरधाम ‘टक्सिक’को कमाइमा ६२ प्रतिशत गिरावट, फलपको खतरा ! काठमाण्डु । ‘केजीएफ’ स्टार यशको मुख्य भूमिका रहेको फिल्म ‘टक्सिक’ : अ फेयरी टेल फर ग्रोन्-अप्स’ २०२६ को सबैभन्दा ठूलो फलप बन्ने संकेत देखिएको छ । भारतमा एक सय करोडमाथिको सानदार ओपनिङ गरेको फिल्मले दोस्रो दिनमै बक्स अफिसमा पुँडा टेकेको छ । फिल्मको दोस्रो दिनको कमाइमा ६२ प्रतिशत गिरावट आएको भारतीय मिडियाले उल्लेख गरेका छन् । हिन्दी भर्सनमा ५५ करोडको ओपनिङ गरेको फिल्मले दोस्रो दिन भारतमा हिन्दीसहित कन्नड, तमिल, तेलुगु र मलयालम भाषामा गरी जम्मा ३७ करोड ६५ लाख कमाएको ट्रेड पोर्टल स्याकनिल्कले जनाएको छ । पहिलो दिन (१०१.१० करोड) को तुलनामा फिल्मको यो कमाइ ६२.८ प्रतिशतले कम हो । शुक्रबार रक्षा बन्धनमा भने फिल्मको व्यापार केही वृद्धि हुने अनुमान गरिएको छ । भारतमा दुई दिनमा १६५ करोड ८५ लाख ग्रस (१३८ करोड ७५ लाख नेट) कमाइ गरेको फिल्मले विश्वभरबाट १८५ करोड ६० लाख ग्रस कमाएको स्याकनिल्कको रिपोर्टमा उल्लेख छ । यसमा ओभरसिजको योगदान १९ करोड ७५ लाख रहेको छ । फिल्मले सबैभन्दा बढी हिन्दी भर्सनमा कमाइ गरेको छ । दुई दिनमा फिल्मको हिन्दी भर्सनको कमाइ भन्डै ८० करोड भारु छ । करिब ५ सय करोडको लागतमा निर्माण भएको फिल्मलाई दर्शक र समीक्षक दुवैले रुचाएका छैनन् । द इन्डिया टाइम्स, बलिउड हंगामा, हिन्दुस्तान टाइम्स, दैनिक भाष्करजस्ता भारतीय मिडियाले फिल्मलाई १ देखि २ सम्म रेटिङ दिएका छन् । दर्शकहरूले  पनि सामाजिक सञ्जालमार्फत फिल्मको आलोचना गरिरहेका छन् । यसको असर फिल्मको व्यापारमा देखिन थालेको छ । ३ घन्टा १४ मिनेट लामो ‘टक्सिक’ ठूलो स्केलको ग्याङ्स्टर फिल्म हो, जसमा रोमान्सदेखि एक्सनसम्म छ । फिल्ममा यशको ‘स्क्रिन प्रेजेन्स’ सबैभन्दा प्रभावशाली देखिएको छ । तर, कथा अस्पष्ट हुँदा फिल्मले दर्शकको ध्यान एकाग्र गर्न सकेन । यद्यपि, फिल्मको छायांकन, ब्याकग्राउन्ड म्युजिक, एक्सन, भिएफएक्स र संगीतको भने प्रशंसा भइरहेको छ । सन् २०१३ मा प्रदर्शन भएको ‘लायर्स डाइस’बाट निर्देशन विधामा राष्ट्रिय अवार्ड जितेकी गीतू मोहनदासको निर्देशनमा बनेको यस फिल्ममा नयनतारा, कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया, हुमा कुरैशी र रुक्मिणी वसन्तको पनि मुख्य भूमिका रहेको छ । तर, नयनताराबाहेक अरु अभिनेत्री फिल्ममा ‘शो पिस’मा मात्र सीमित भएका छन् । फिल्म पूर्णतः यशमा केन्द्रित छ ।

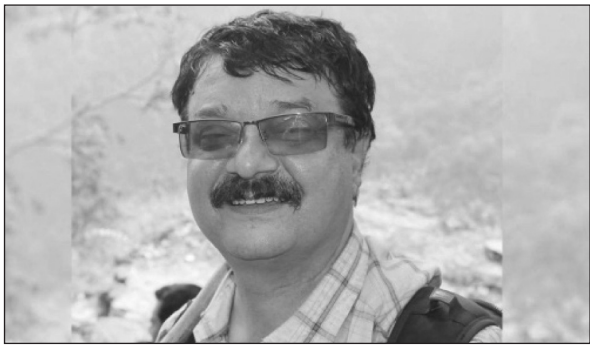
रोल्पाका २५ जना सम्पर्कविहीन, गृहमन्त्रीलाई वर्षमानले गराए ध्यानाकर्षण

टुडे समाचारदाता काठमाण्डु । नेपाली कम्युनिष्ट पार्टी (नेकपा) का नेता वर्षमान पुनले भोटेकोशी बाढीका कारण क्षतिग्रस्त नुवाकोटको विदुर क्षेत्र पुगेका छन् । पुनसहित नेकपाका प्रमुख सचेतक युवराज दुलालसहितको टोलीले प्रभावित क्षेत्र निरीक्षण गरेको छ । निरीक्षणका क्रममा गृहमन्त्री



सुधन गुरुङ, नुवाकोटका प्रमुख जिल्ला अधिकारीलगायत सम्बन्धित निकायसँग उद्धार, राहत र पुनःस्थापनाका विषयमा छलफल भएको नेता पुनले बताए । गृहमन्त्रीलाई विपद् को कठिन घडीमा प्रभावित नागरिकको जीवनरक्षा र तत्काल

गृहमन्त्री गुरुङले भने, ‘विपद्को पीडामा रहेका परिवार हरूलाई आशा र भरोसा दिलाउनु राज्यको दायित्व हो। हराइरहेका आफन्तहरूको सकुशल उद्धारका लागि खोजी तथा उद्धार कार्यलाई अफ तीव्र बनाउन निरन्तर पहल र समन्वय गर्नेछु ।’



टुडे समाचारदाता काठमाण्डु । नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (बहुमत) का अध्यक्ष मण्डलका सदस्य गुणराज लोहनी ‘प्रवीर’ लाई पार्टीको साधारण सदस्यसमेत नरहने गरी निष्कासन गरिएको जनाइएको छ । पार्टी अध्यक्ष मण्डलको बैठकमा धर्मेन्द्र बास्तोलाको अध्यक्षतामा छलफल भइरहेका बेला अध्यक्षमाथि अमर्यादित ढंगले गालीगलौज गरेको उनीमाथि आरोप छ । यस्तो व्यवहारले पार्टीको अध्यक्ष मण्डलका सदस्यको हैसियत, मर्यादा र अनुशासन उल्लंघन गरेको निष्कर्ष निकाल्दै उनलाई कारबाही गरिएको विज्ञापितमा उल्लेख गरिएको छ । सो विज्ञापितमा गुणराजले यसअघि पनि पार्टी अध्यक्ष र केही सदस्यविरुद्ध पटक-पटक अमर्यादित अभिव्यक्ति दिने, गालीगलौज गर्ने, हुलहुज्जत

र गुटबन्दी गर्ने गरेको आरोप लगाइएको छ। यस्ता गतिविधिबाट पार्टीलाई कमजोर बनाउने, अनुशासनहीनता बढाउने, आन्तरिक विवाद र विभाजन निम्त्याउने प्रयास हुँदै आएको लेखिएको छ । यसअघि पटक-पटक सम्झाउने, बुझाउने, चेतावनी दिने, आत्मालोचना गर्न लगाउने तथा निमन्त्रनसम्मका कारबाही गरेर व्यवहार सुधार्ने प्रयास गरेकोभन्दैपार्टीले ती प्रयास प्रभावकारी नभएको र पछिल्लो बैठकमा

एमालेका दुई प्रदेश कमिटीद्वारा राहतका लागि २० लाख सहयोग घोषणा



काठमाण्डु । रसुवा बाढीबाट प्रभावितको राहत र उद्धारका लागि नेकपा (एमाले) को दुई प्रदेश कमिटीले प्रधानमन्त्री राहत कोषमा रु २० लाख सहयोग गर्ने घोषणा गरेका छन् । एमाले अध्यक्ष केपी शर्मा ओलीको उपस्थितिमा शुक्रबार बाढी प्रभावित क्षेत्रमा उद्धार तथा राहतका लागि जान लागेको युवा स्वयंसेवक फोर्सका टोलीको बिदाइको क्रममा उक्त सहयोग घोषणा गरिएको पार्टी सचिव एवं बागमती प्रदेशका इञ्चार्ज महेश बस्नेतले जानकारी दिनुभयो । एमाले बागमती प्रदेश कमिटी

र राजधानी प्रदेश कमिटीले क्रमशः रु १०/१० लाख उपलब्ध गराउने तथा सबै तहका कमिटीबाट सहयोग सङ्कलन गरी एकमुष्ट सहयोग गरिने उहाँले बताउनुभयो । यसअघि एमाले महासचिव शङ्कर पोखरेलको नेतृत्वमा सचिव डा राजन भट्टराई, नीति अध्ययन प्रतिष्ठानका प्रमुख विष्णु रिमाल, जनसङ्गठन समन्वय संयन्त्रका प्रमुख विशाल भट्टराई, स्वास्थ्य विभाग प्रमुखका कृष्णगोपाल श्रेष्ठ, प्रचार तथा प्रकाशन विभाग प्रमुखका नीरज आचार्य, विभिन्न जनसङ्गठनका प्रमुखलगायतले

बिहीबार नुवाकोटको विदुर पुगेर बाढीपहिरो प्रभावित क्षेत्रको स्थलगत अवस्थाबारे जानकारी लिनुभएको थियो ।

टोलीले प्रभावित क्षेत्रको अवस्था, उद्धार तथा राहतको आवश्यकता र तत्काल गर्नुपर्ने कामबारे स्थानीयसँग जानकारी लिएको थियो ।

एमालेले विपद्को समयमा पार्टीका नेता तथा कार्यकर्तालाई राहत, उद्धार तथा स्वयंसेवी कार्यमा परिचालन गर्ने तयारी गरेको छ । प्रवासी कमिटीले २० लाख दिने

एमाले निकटकै नेपाली मञ्च, अन्तरराष्ट्रिय कमिटीले बाढी पहिरोको विपत्तिमा परेकाको उद्धार तथा राहत कोषमा तत्काल रु २० लाख सहयोग गर्ने भएको छ । कमिटीको सचिवालयको आकस्मिक बैठकले मातृभूमिप्रतिको दायित्वलाई आत्मसात गर्दै बाढीपहिरो प्रभावित नागरिकको तत्काल राहत तथा सहयोगका लागि कमिटीको कोषबाट उक्त रकम उपलब्ध गराउने निर्णय गरेको हो । रासस

भारतले टनेल रेस्क्यू टिम र बेलिब्रिज पठाउने



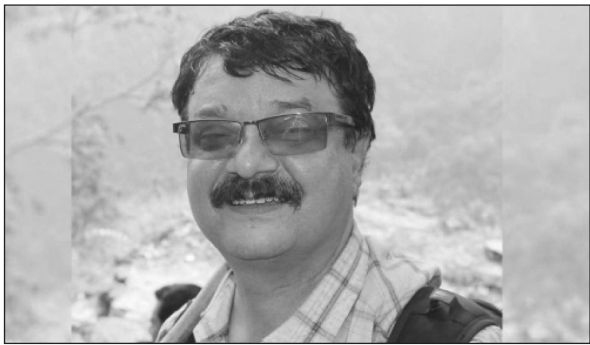
टुडे समाचारदाता काठमाण्डु । भारत सरकारले टनेल रेस्क्यू टिम र बेलिब्रिज पठाउने भएको छ । विभिन्न हाइड्रोपावरभित्र फसेका कामदारहरूको उद्धारका लागि भारत सरकारले टनेल रेस्क्यू टिम पठाउन लागेको छ । भारतीय विदेश मन्त्रालयका प्रवक्ता रणधीर जैयसवालले शुक्रबार पत्रकार सम्मेलनमार्फत उक्त टिम पठाउन लागेको जानकारी दिएका छन् । यसका साथै, टिम पठाउनु अगाडि रेस्क्यू गर्ने टोली बाढी

प्रभावित क्षेत्रमा पुगेर निगरानी गर्ने पनि उनले बताए । उनले भने, ‘भारतले दुई वटा जहाज मानवीय सहायता सहित पठाइसकेको छ। तेस्रो जहाज पनि जाने तयारीमा छ। नेपालको अनुरोध अनुसार हामीले टनेल रेस्क्यू टिम पनि पठाउने तयारी गरेका छौं,’ उनले भने, ‘त्यसका लागि पहिला रेस्क्यू टिम पठाउँदैछौं, जहाँ प्रभावित क्षेत्रमा पुगेर आवश्यक सामग्रीबारे विश्लेषण गर्नेछ ।’ यसका साथै स्वास्थ्यकर्मीको टोली पनि पठाइने उनले बताएका

छन् । नेपाल सरकारकै अनुरोधमा बेलिब्रिज पनि पठाउने तयारी रहेको उनले जानकारी दिए । बेलिब्रिज चाँडो जडान गर्नका लागि प्राविधिक टोली पनि पठाइने उनको भनाइ छ । भारत सरकारले राष्ट्रिय विपद प्रतिकार्य बल (एनडिआरएफ) को टिमलाई आवश्यक सामग्रीसहित पठाउन नेपाल सरकारसमक्ष प्रस्ताव राखेको पनि उनले बताए । उनले नेपाल सरकारले माग गरेका अन्य सहयोगका लागि पनि तयार रहेको बताए ।

नेकपा बहुमतका नेता गुणराज निष्कासित

टुडे समाचारदाता काठमाण्डु । नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (बहुमत) का अध्यक्ष मण्डलका सदस्य गुणराज लोहनी ‘प्रवीर’ लाई पार्टीको साधारण सदस्यसमेत नरहने गरी निष्कासन गरिएको जनाइएको छ । पार्टी अध्यक्ष मण्डलको बैठकमा धर्मेन्द्र बास्तोलाको अध्यक्षतामा छलफल भइरहेका बेला अध्यक्षमाथि अमर्यादित ढंगले गालीगलौज गरेको उनीमाथि आरोप छ । यस्तो व्यवहारले पार्टीको अध्यक्ष मण्डलका सदस्यको हैसियत, मर्यादा र अनुशासन उल्लंघन गरेको निष्कर्ष निकाल्दै उनलाई कारबाही गरिएको विज्ञापितमा उल्लेख गरिएको छ । सो विज्ञापितमा गुणराजले यसअघि पनि पार्टी अध्यक्ष र केही सदस्यविरुद्ध पटक-पटक अमर्यादित अभिव्यक्ति दिने, गालीगलौज गर्ने, हुलहुज्जत



र गुटबन्दी गर्ने गरेको आरोप लगाइएको छ। यस्ता गतिविधिबाट पार्टीलाई कमजोर बनाउने, अनुशासनहीनता बढाउने, आन्तरिक विवाद र विभाजन निम्त्याउने प्रयास हुँदै आएको लेखिएको छ । यसअघि पटक-पटक सम्झाउने, बुझाउने, चेतावनी दिने, आत्मालोचना गर्न लगाउने तथा निमन्त्रनसम्मका कारबाही गरेर व्यवहार सुधार्ने प्रयास गरेकोभन्दैपार्टीले ती प्रयास प्रभावकारी नभएको र पछिल्लो बैठकमा

टुडे समाचारदाता काठमाण्डु । नेकपा एमालेका महासचिव शंकर पोखरेलले विपद् ग्रस्त क्षेत्रमा जाँदाको अनुभूति सार्वजनिक गर्दै तत्काल थप वैकल्पिक योजना आवश्यक रहेको बताएका छन् । उनले भने, ‘सरकारले उद्धारको काम गरिरहेको छ । नुवाकोट विदुरमा नेपाली सेनाको व्यारेकलाई बेसक्याम्प बनाएर नेपाली सेनाको कमान्डमा हवाई उद्धारको काम भइरहेको छ, यो सकारात्मक छ,’ उनले सामाजिक सञ्जालमा लेखेका छन्, ‘तर जमिनको यथार्थ स्थिति र सरकारी संयन्त्रबीच ठूलो खाडल देखिएको छ ।’

महासचिव पोखरेलका अनुसार समन्वयको अभाव छ । ‘सुरक्षा निकायहरूबीच आपसी समन्वय र सहकार्य देखिँदैन । गृह मन्त्रालय र जिल्ला प्रशासनले राहत र उद्धारको प्रभावकारी कमान्ड सम्हाल्न सकेका छैनन्,’ उनी लेख्छन्, ‘नेपाली सेनासँग स्थानीय प्रशासन र जनप्रतिनिधिहरूको सहज पहुँच स्थापित हुन सकेको



देखिँदैन ।’ सडक सञ्जाल विच्छेद भएको छ । त्रिशूलीपारिको क्षेत्रमा पुगेर लाइफलाइन पूर्णतः विच्छेद भएको छ । जसका कारण ती क्षेत्रहरूमा स्वयंसेवक र राहत सामग्री पुग्न सकेको छैन । यसका साथै, पोखरेलले उद्धारमा कठिनाई भएको बताएका छन् । अलपत्र परेका र बाढीबाट विस्थापितहरूको संख्या ठूलो भएका कारण तत्काल सबैतिर हवाई उद्धार हुने स्थिति पनि छैन ।

यसमाथि, हेलिकप्टरको सीमितता र मौसमको प्रतिकूलताले समस्या थप गम्भीर बनाएको छ । सञ्चार र स्थलमार्गको अवरोध पनि समस्याको रूपमा रहेको छ । पोखरेलका अनुसार बिजुली र सञ्चारको अभावले सूचना आदानप्रदान ठप्प छ भने उनीहरूलाई स्थलमार्गबाट उद्धार गर्ने वा राहत पुर्‍याउने कुनै भरपर्दो योजना बन्न सकेको छैन । यी अवस्था देखाउँदै

महासचिव पोखरेलले अबको आवश्यकता वैकल्पिक योजनाको रहेको बताएका हुन् । ‘सरकारले तत्काल निम्न वैकल्पिक योजना अघि बढाउने पर्छ,’ उनले भनेका छन्, ‘तीनवटै सुरक्षा निकाय र स्थानीय जनप्रतिनिधिहरूलाई समेटेर एकीकृत कमान्ड पोस्ट तुरुन्त निर्माण गर्न आवश्यक छ ।’ मुख्य लाइफलाइन नजोडिएसम्म वैकल्पिक माध्यम

तुइन, फलामे डोरी वा साना अस्थायी पुलमार्फत जोखिममा रहेका क्षेत्रमा खानेपानी, औषधि र खाद्यान्न पुर्‍याउन माग गरेका छन् । स्थलमार्ग खुलाउन निजी क्षेत्रका ठूला हेभी इक्विपमेन्टहरूलाई समेत परिचालन गरी युद्धस्तरमा काम गर्ने र नदी तथा ठूला खोलाहरूमा बेलिब्रिज जडान गर्ने कार्यका लागि अनुरोध गरेका छन् । डुबान क्षेत्रको भग्नावशेष र दलदलमा दबेका शवहरूको खोजी कार्यलाई तिव्रता दिन थप जनशक्ति र आधुनिक उपकरण परिचालन गर्ने कार्यका लागि सरकारको ध्यानाकर्षण गरेका छन् । राहत र उद्धारका लागि सुरक्षा निकायका अतिरिक्त कामको प्रकृतिवा आधारमा नागरिक स्तरबाट स्वयंसेवकहरूलाई तत्काल परिचालन गर्न आवश्यक रहेको भन्दै उनले लेखेका छन्, ‘यो मानवीय संकटको बेला राजनीति वा प्रक्रियागत विलम्ब गर्ने छुट कसैलाई छैन । सरकारको ध्यान यसतर्फ यथाशीघ्र जाओस् ।’

आवश्यक सहयोग लिन्छौं, उद्धारमा कुनै कमी हुन्न : परराष्ट्रमन्त्री खनाल

काठमाण्डु । रसुवाको भोटेकोशी नदीमा यही भदौ १० गते बिहान भएको भीषण बाढीपछि सञ्चालित खोज तथा उद्धार कार्यमा अन्तरराष्ट्रिय टोली नबोलाइएको विषयमा उठेका प्रश्न र टिप्पणीबारे सरकारले आफ्नो धारणा सार्वजनिक गरेको छ ।

परराष्ट्रमन्त्री शिशिर खनालले अन्तरराष्ट्रिय सहयोग अस्वीकार गरेको नभइ राष्ट्रिय क्षमता, तत्कालको आवश्यकता र नेपालको विशिष्ट भौगोलिक अवस्थालाई ध्यानमा राखेर उद्धार रणनीति तय गरेको बताउनुभयो ।

नेपालको भौगोलिक बनावट, विकट भू-भाग र स्थानीय वातावरणीय अवस्थाले नेपाली सेना, नेपाल प्रहरी तथा सशस्त्र प्रहरी बलका उद्धार टोली लामो समयदेखि अभ्यस्त रहेको उल्लेख गर्दै उहाँले सरकारले सुरुआती चरणमा आफ्नै सुरक्षा संयन्त्रको अधिकतम परिचालनलाई प्राथमिकता दिएको जनाएको बताउनुभयो ।

अपरिचित भूगोलमा बाह्य उद्धार टोली परिचालन गर्दा समन्वय तथा प्राविधिक व्यवस्थापनमा थप जटिलता



आउन सक्ने र अनपेक्षित जोखिम पनि सिर्जना हुन सक्ने भएकाले उपलब्ध राष्ट्रिय क्षमतामै उद्धार कार्य सञ्चालन गरिएको मन्त्री खनालले बताउनुभयो । “हाम्रो टिम सक्षम छ, हाम्रो भूगोलप्रति परिचित छ । हाम्रो सुरक्षा निकायहरू-सेना, प्रहरी र सशस्त्र प्रहरी-सबै यसमा लागिरेहेका छन्,” उहाँले भन्नुभयो । मन्त्री खनालले विपद् हुनेबित्तिकै हेरक मुलुकले विदेशी सहयोग नलिने भन्दै आफ्नो राष्ट्रिय क्षमताले धान्न सक्ने अवस्थामम्म

आफ्नै संयन्त्रबाट काम गर्नु स्वाभाविक भएको बताउनुभयो । नेपालको राष्ट्रिय संयन्त्र, संरचना र संस्थाले आफैं गर्न सक्ने काममा आत्मविश्वासका साथ अघि बढ्ने सरकारको नीति रहेको उहाँको भनाइ छ । यद्यपि, सरकारले मित्रराष्ट्र तथा अन्तरराष्ट्रिय समुदायको सहयोगलाई अस्वीकार नगरेको उहाँले स्पष्ट पार्नुभयो । विशेषगरी सुरुङ्गभित्र उद्धार गर्नुपर्ने वा अत्यन्त जटिल भौतिक संरचनामा विशेष प्राविधिक क्षमता आवश्यक पर्ने

अवस्था आएमा आवश्यकताअनुसार अन्तरराष्ट्रिय सहयोग लिन सरकार तयार रहेको उहाँले उल्लेख गर्नुभयो । “जहाँ हामीलाई थप प्राविधिक क्षमता आवश्यक हुन्छ, त्यहाँ आवश्यकताअनुसार सहकार्य गरौं,” मन्त्री खनालले भन्नुभयो । उहाँले यस सम्बन्धमा मित्रराष्ट्रहरूसँग सरकार निरन्तर संवाद र समन्वयमा रहेको जानकारी दिँदै आवश्यकताअनुसार प्राविधिक सहयोग लिने स्पष्ट नीति रहेको बताउनुभयो । रासस

टुडे समाचारदाता काठमाण्डु । रसुवाको भोटेकोशी नदी र तल्लो तटीय क्षेत्रमा भदौ १० गते आएको भीषण बाढीबाट प्रभावितहरूको राहत र उद्धारका लागि कर्मचारीहरूले तलब काटेर प्रधानमन्त्री दैवी प्रकोप उद्धार कोषमा जम्मा गर्ने भएका छन् । बाढीपछिको राहत तथा पुनर्स्थापना कार्यमा योगदान पुर्‍याउन संघीय सरकारका कर्मचारीहरूको भदौ महिनाको तलबबाट २ देखि १० दिनसम्मको रकम कट्टा गरी उद्धार कोषमा जम्मा गर्ने भएका छन् ।

मुख्य सचिवको नेतृत्वमा बसेको सचिव बैठकको निर्णयअनुसार श्रेणीविहीन कर्मचारीको २ दिन, राजपत्र अनर्कित वा सो सरहका कर्मचारीको ५ दिन, राजपत्रांकित तृतीय र द्वितीय श्रेणीको ७ दिन र प्रथम तथा विशिष्ट श्रेणीका कर्मचारीको १० दिन बराबरको तलब कट्टा गरिने भएको छ । यस व्यवस्थाबाट संघीय सरकारका कर्मचारीहरूबाट मात्रै करिब ३६ करोड रुपैयाँ कोषमा जम्मा हुने अनुमान गरिएको छ। साथै, सरकारले प्रदेश, स्थानीय



तह र अन्य सार्वजनिक निकायका कर्मचारीहरूलाई पनि सोही बमोजिम कोषमा योगदान गर्न आह्वान गरेको छ । बाढी प्रभावित क्षेत्रमा कारण क्षतिग्रस्त सडक, पुल, खानेपानी, विद्युत् र दूरसञ्चार जस्ता अत्यावश्यक पूर्वाधारहरूको पुनःसञ्चालन तत्काल अगाडि बढाउन सम्बन्धित मन्त्रालय र निकायहरूलाई निर्देशन दिइएको छ । प्रभावितहरूको खोज, उद्धार, राहत र अस्थायी बसोबासको कार्यलाई उच्च प्राथमिकता दिई समन्वयात्मक रूपमा अघि बढाउने निर्णय पनि बैठकले गरेको छ । त्यस्तै विपद् व्यवस्थापनलाई चुस्त बनाउन सरकारले सार्वजनिक बिदाका दिनमा

समेत आवश्यकता अनुसार कर्मचारीहरूलाई अनिवार्य उपस्थित गराई कामकाज गर्ने व्यवस्था मिलाएको छ । बाढी प्रभावित क्षेत्रमा नियमित सेवा प्रवाह सुनिश्चित गर्न सम्बन्धित निकायलाई निर्देशन दिइएको छ । यसैगरी, विपद् प्रतिकार्यमा सबै तहका कर्मचारी क्रियाशील रहनुपर्नेभन्दै सरकारले अत्यावश्यक कामबाहेक कर्मचारीलाई काज नखटाउने र बिदा स्वीकृत नगर्ने निर्णय गरेको छ । प्रदेश र स्थानीय तहका कर्मचारीलाई केन्द्रमा बोलाएर गरिने गोष्ठी, सेमिनार र अन्य कार्यक्रम (सञ्चालनमा रहेका सेवाकालीन तालिम बाहेक) पनि स्थगित गरिएको जनाइएको छ ।

सुदूरपश्चिमका कांग्रेस सांसदले १० दिनको तलब सहयोग गर्ने

टुडे समाचारदाता कैलाली । नेपाली कांग्रेस सुदूरपश्चिम प्रदेश संसदीय दलले रसुवाको भोटेकोशी बाढी प्रभावितका लागि मानवीय सहायता तथा राहतस्वरूप आर्थिक सहयोग गर्ने घोषणा गरेको छ । संसदीय दलका नेता तथा पूर्वमुख्यमन्त्री कमलबहादुर शाहले आफ्नो एक महिनाको



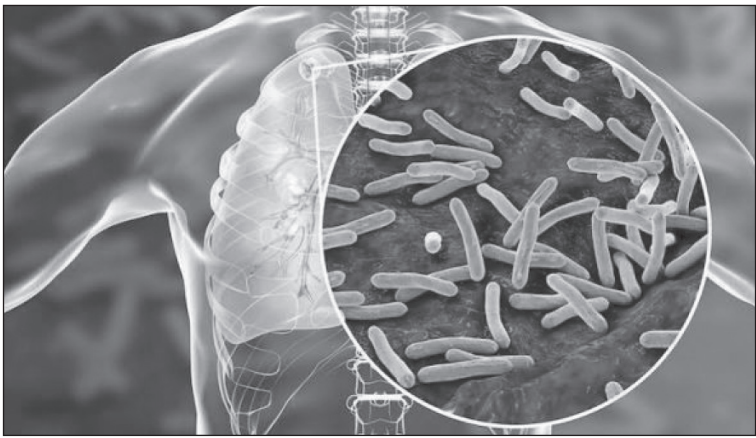
पारिश्रमिक र दलका अन्य प्रदेशसभा सदस्यहरूले १० दिनको पारिश्रमिक बराबरको रकम सहयोग गर्ने घोषणा गरेका छन् । संसदीय दलले जनाए अनुसार उक्त सहयोगबापत जम्मा ३ लाख ६० हजार ८ सय ३३ रुपैयाँ प्रधानमन्त्री दैवी प्रकोप उद्धार कोषमा उपलब्ध गराइने भएको छ ।

डब्ल्यूएचओले क्षयरोग महामारी अन्त्य गर्न विश्वव्यापी प्रयासलाई तीव्र बनाउने घोषणा

एफएफपी । चीनमा विश्व स्वास्थ्य सङ्गठन (डब्ल्यूचओ) को क्षयरोग (टीबी) अनुसन्धान र नवप्रवर्तनसम्बन्धी नयाँ विश्वव्यापी सहयोग केन्द्र शुक्रबार स्थापना गरिएको छ । यसले विश्वको सबैभन्दा घातकमध्ये एक सङ्क्रामक रोग टीबी नियन्त्रण गर्ने विश्वव्यापी अभियानमा चिनियाँ विशेषज्ञता उपलब्ध गराउने लक्ष्य राखेको छ ।

यो केन्द्र बेइजिङस्थित चिनियाँ रोग नियन्त्रण तथा रोकथाम केन्द्र (चाइना सीडीसी) मा औपचारिक रूपमा उद्घाटन गरिएको हो । यसले वैज्ञानिक तथा प्राविधिक नवप्रवर्तन, रोग निगरानी र टीबी रोकथाम तथा नियन्त्रणका अन्य क्षेत्रमा केन्द्रित रहनेछ ।

डब्ल्यूएचओको एचआईभी, क्षयरोग, हेपाटाइटिस तथा यौन सञ्चारित सङ्क्रमण विभागका निर्देशक टेरेजा कासाएभाले भन्नुभयो, “चीनले क्षयरोगको भार घटाउन उल्लेखनीय प्रगति गरेको छ र विश्वव्यापी क्षयरोग नियन्त्रणमा बढ्दो महत्वपूर्ण भूमिका खेलिरहेको छ।” डब्ल्यूएचओको



विश्व टीबी रिपोर्ट २०२५ अनुसार, चीनमा सन् २०२४ मा कुल क्षयरोग सङ्क्रमणदर प्रति एक लाख जनसंख्यामा ४९ मा भरेको छ । यसले चीनलाई मध्यमदेखि न्यून क्षयरोग सङ्क्रमित भएको देश बनाएको छ । कासाएभाले भन्नुभयो, “नयाँ केन्द्र विश्वव्यापी नवप्रवर्तन, अनुसन्धान, प्रविधि आदानप्रदान र क्षमता विकासको महत्त्वपूर्ण मञ्चको रूपमा काम गर्न सक्छ, जसले

वैज्ञानिक प्रगतिको व्यावहारिक समाधानमा रूपान्तरण गर्न मद्दत गर्नेछ।” ‘चाइना सीडीसी’ अन्तर्गतको राष्ट्रिय क्षयरोग रोकथाम तथा नियन्त्रण केन्द्रका प्रमुख भ्नाओ यानलिनले केन्द्रले पाँचवटा मुख्य कार्यहरू गर्ने बताउनुभयो । यी कार्यहरूमा नयाँ निदान प्रविधि, एन्टी-टीबी औषधि, खोप र डिजिटल स्वास्थ्य उपकरणहरूको विकास,

इरानविरुद्ध कारबाही जारी रहेको ट्रम्पको भनाइ



एफएफपी । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्पले इरानविरुद्धको अमेरिकी सैन्य कारबाही समाप्त नभएको बताउनुभएको छ । हर्मुज जलघाँटी खुले पनि त्यसलाई सैन्य अभियान अन्त्य भएको सङ्केतका रूपमा नलिन उहाँले चेतावनी दिनुभएको छ ।

पत्रकारहरूसँग कुरा गर्दै राष्ट्रपति ट्रम्पले हालैको द्वन्द्वपछि इरान गम्भीर सैन्य तथा आर्थिक दबाबमा रहेको दाबी गर्नुभयो । उहाँले इरानसँग सैन्य क्षमता सीमित रहेको र फुत्क आर्थिक समस्यामा पेको बताउनुभयो । “हेर्नुज खुला छ भन्नेमा हामीले सैन्य कारबाही समाप्त गयौं भन्ने होइन”, उहाँले भन्नुभयो ।

राष्ट्रपति ट्रम्पले भविष्यमा हुन सक्ने अमेरिकी सैन्य कारबाहीका सर्त वा योजनाबारे कुनै विवरण दिनुभएन । उहाँले इरानी नेतृत्वसँग तत्काल वार्ता गर्ने सम्भावनालाई

समेत अस्वीकार गर्दै इरानसँग अहिले वार्ता गर्नुपर्ने अवस्था नरहेको बताउनुभयो । यसैबीच, रूसले इरानसँगको सम्बन्ध घटाउन असफल भए कारबाही गर्ने आफ्नो अभिप्राय छ कि छैन भन्ने प्रश्नमा ट्रम्पले निर्णय परिस्थितिमा निर्भर रहने बताउनुभयो । उहाँले हर्मुजको विषयमा रूसले अहिलेसम्म ‘राम्रो व्यवहार’ गरेको उल्लेख गर्नुभयो । तर रूसले के कदम चालेको हो भन्ने उहाँले स्पष्ट पार्नुभएन ।

ट्रम्पका पछिल्ला भनाइ महत्त्वपूर्ण समुद्री मार्ग पुनः खुले पनि वासिङ्टनले इरानसँग तत्काल कूटनीतिक संवाद अघि नबढाउने सङ्केतका रूपमा आएका छन् । अमेरिकी प्रशासनले तेहरानमाथि आर्थिक प्रतिबन्ध, सैन्य दबाब र थप कारबाहीको सम्भावनालाई निरन्तरता दिएको छ ।

ओमान र इरानबीच रहेको हर्मुज जलघाँटी खाडीलाई अरब सागर र ओमानको खाडीसँग जोड्ने महत्त्वपूर्ण ऊर्जा मार्ग हो । विश्व बजारमा खाडी मुलुकबाट तेल तथा तरलीकृत प्राकृतिक ग्यास आपूर्तिका लागि यसको प्रमुख भूमिका रहेको छ ।



एफएफपी । चिनियाँ राष्ट्रपति सी जिनिपिङले नेपालमा आएको प्राकृतिक विपत्तिप्रति राष्ट्रपति रामचन्द्र पौडेललाई शुक्रबार समवेदना सन्देश पठाउनुभएको छ । हालै चीनको तिब्बत क्षेत्रमा गएको हिमपाहिरो र त्यसका कारण नेपालमा भोटेकोशी र त्रिशुली नदीमा आएको बाढी र डुबानका कारण रसुवा, नुवाकोट, धादिङगलायतका जिल्लामा व्यापक भौतिक तथा मानवीय क्षति पुगेको थियो । आफ्नो सन्देशमा चिनियाँ

राष्ट्रपति सीले ‘चीन र नेपालबीचको केरूङ-रसुवा सीमा नाका क्षेत्रमा हालै गम्भीर विपद् आएको, जसले ठूलो जनधनको क्षति पुऱ्याएको, मानिसहरू बेपत्ता भएका र भौतिक सम्पत्तिको क्षति भएको उल्लेख गर्दै यसबाट नेपाल र नेपाली जनतालाई परेको पिडाले आफुलाई दुःखी बनाएको’ उल्लेख गर्नुभएको छ । राष्ट्रपति सीले पाँडितहरूप्रति गाहि्रो समवेदना व्यक्त गर्दै शोकसन्तप्त परिवार, घाइते र विपद्ग्रस्त क्षेत्रका जनताप्रति चीन

चीनको साथबिना इरानमाथि दबाब कठिन

एफएफपी । संयुक्त राज्य अमेरिकाले इरानको अर्थतन्त्रलाई थप दबाबमा पार्ने तयारी गरे पनि चीनको सहयोगबिना तेहरानलाई प्रभावकारी रूपमा आर्थिक रूपमा अलग गर्न कठिन हुने विश्लेषकहरूले बताएका छन् । मध्यपूर्वमा युद्ध सुरु भएको करिब छ महिनापछि वासिङ्टनले इरानविरुद्ध प्रतिबन्ध विस्तार गर्ने तयारी गरेको छ । अमेरिकी अधिकारीहरूले इरानलाई सहयोग गर्ने राष्ट्र तथा संस्थामाथि समेत कारबाही गर्ने चेतावनी दिएका छन् । अमेरिकी अर्थमन्त्री स्कट बेसेन्टले चीनलाई अमेरिकी अभियानमा सहकार्य गर्न आग्रह गर्नुभएको छ ।

तर चीनले तेहरानसँगको आफ्नो सहयोगको बचाउ गर्दै आफ्ना आर्थिक तथा रणनीतिक हितको रक्षा गर्ने स्पष्ट पारेको छ । आगामी सेप्टेम्बरमा चिनियाँ राष्ट्रपति सी जिनिपिङले अमेरिकी राजधानीको भ्रमण गर्ने तयारी भइरहेका बेला इरानको विषयले चीन-अमेरिका सम्बन्धमा थप तनाव उत्पन्न गर्न सक्ने देखिएको छ । सिङ्गापुरस्थित नानयाङ टेक्नोलोजिकल युनिभर्सिटीका राजनीतिक वैज्ञानिक डिलन लोका अनुसार इरानलाई पूर्ण रूपमा आर्थिक रूपमा अलग गर्न अमेरिकालाई चीनको सहयोग आवश्यक पर्नेछ । चीन इरानी तेलको प्रमुख खरिदकर्ता हो र दुई देशबीचको व्यापारको ठूलो हिस्सा चिनियाँ



मुद्रा रेन्मिन्बीमा हुने भएकाले अमेरिकी प्रतिबन्धको प्रभाव सीमित गर्न सकिन्छ । युद्धअघि इरानले दैनिक लाखौं ब्यारेल तेल निर्यात गर्ने गरेकोमा ठूलो हिस्सा चीन पुगे गरेको थियो । वासिङ्टनस्थित सेन्टर फर युरोपियन पोलिसी एनालिसिसका फेलो निनो लेजावाका अनुसार तेल इरानको प्रमुख आर्थिक आधार हो । चिनियाँ तेल खरिद घटे पनि त्यसबाट प्राप्त आम्दानी इरानका लागि महत्त्वपूर्ण रहेको फुदान विश्वविद्यालयका प्राध्यापक सन देगाडले बताउनुभयो । चीनले इरानसँग व्यापार र वैकल्पिक भुक्तानी प्रणाली कायम राखिरहे मात्र पनि अमेरिकी प्रतिबन्धको प्रभाव कमजोर पार्न सकिने लेजावाको भनाइ छ । अमेरिकाले इरानसँग करोबार गर्ने चिनियाँ वैकमाथि समेत प्रतिबन्ध लगाउन सक्ने सङ्केत दिएको छ । यसै साता इरानलाई ‘महत्त्वपूर्ण प्रविधि’ उपलब्ध गराउन सहयोग गरेको

आरोपमा केही चिनियाँ संस्थामाथि प्रतिबन्ध लगाइए पनि प्रमुख चिनियाँ वित्तीय संस्थामाथि भने व्यापक कारबाही गरिएको छैन । प्राध्यापक सनले चिनियाँ कम्पनीमाथि निरन्तर प्रतिबन्ध लगाएर अमेरिकाले बेइजिङबाट इरानविरुद्ध सहयोगको अपेक्षा गर्न नसक्ने बताउनुभयो । चीनको विदेश मन्त्रालयले पनि इरानसँगको सहयोग अन्तर्राष्ट्रिय कानूनको दायराभित्र रहेको र त्यसमा बाह्य हस्तक्षेप स्वीकार्य नहुने स्पष्ट पारेको छ । हर्मुज जलघाँटीको अवरोधबाट चीनले समेत आर्थिक असर भोगिरहेको छ । कमजोर घरेलु उपभोगका कारण आर्थिक दबाबमा रहेको चीनले इरानसँगको व्यापार पूर्ण रूपमा रोकदा थप समस्या निर्मित सक्ने विश्लेषकहरूको भनाइ छ । सिङ्गापुरस्थित नेसनल युनिभर्सिटीका सहयोगी प्राध्यापक चोङ जा इयानका अनुसार अमेरिकी प्रतिबन्ध कार्यान्वयनमा सहयोग गर्न चीनसँग खासै कारण छैन ।

इरानद्वारा अमेरिका-इजरायललाई चेतावनी

एफएफपी । इरानका सर्वोच्च राष्ट्रिय सुरक्षा परिषद्का सचिव मेजर जनरल मोहसेन रेजाईले अमेरिकी नाकाबन्दी जारी रहे गम्भीर टक्राव निम्तन सक्ने चेतावनी दिनुभएको छ । उहाँले इजरायलसँग पुनः द्वन्द्व भए त्यसअधिका युद्धभन्दा फरक चरणका लागि इरान तयार रहेको बताउनुभएको छ । इरानी समाचार संस्था आइआरआइबीका अनुसार अल-मनारसँगको अन्तर्वातामा रेजाईले इजरायली प्रधानमन्त्री बेन्जामिन नेतान्याहुलाई ‘नरकमा पठाउने’ चेतावनी दिनुभयो । उहाँले नेतान्याहुले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्पका छोराको हत्या गर्ने इरानी षड्यन्त्रसम्बन्धी गलत सूचना फैलाएर ट्रम्पको निर्णय प्रक्रियामा प्रभाव पारेको आरोपसमेत लगाउनुभयो । लेबनानमा इजरायलसँग पुनः द्वन्द्व भए बेस्तको दक्षिण क्षेत्रलाई कुनै पनि हालतमा स्वीकार्य नहुने सीमा मान्ने रेजाईले बताउनुभयो । इजरायलले लेबनानमा कब्जा गरेका क्षेत्रबाट फिर्ता हुनुपर्ने उल्लेख गर्दै उहाँले भविष्यको युद्ध अघिल्लोभन्दा फरक हुने चेतावनी दिनुभयो । अमेरिकाले सैन्य आक्रमणबाट आर्थिक दबाबतर्फ नीति परिवर्तन गर्नु सैन्य कारबाहीको ‘निरर्थकता’ को प्रमाण भएको रेजाईको दाबी छ । उहाँले नाकाबन्दी जारी रहे

मूल्याङ्कन र प्रवर्द्धन; टीबीसम्बन्धी डब्ल्यूएचओको दिशानिर्देश र मापदण्डको निर्माण तथा संशोधनमा योगदान गर्नेछ । यसले प्रयोगशाला परीक्षण र महामारी विज्ञान अनुसन्धानमा अन्तर्राष्ट्रिय तालिम तथा क्षमता विकास, विश्वव्यापी क्षयरोग अनुगमन, जोरिखम मूल्याङ्कन र तथ्याङ्क साभ्भेदारी, तथा प्राविधिक आदानप्रदान र संयुक्त अनुसन्धानका लागि बहुपक्षीय मञ्च स्थापना गर्ने बताइएको छ। डब्ल्यूएचओको तथ्याङ्क अनुसार, दशकौंको नियन्त्रण प्रयासका बाबजुद क्षयरोग अभ्रै पनि एकल सङ्क्रामक रोगबाट हुने मृत्युको विश्वको प्रमुख कारण बनेको छ । नयाँ केन्द्रको स्थापना अन्तर्राष्ट्रिय समुदायले सन् २०३० सम्म विश्वव्यापी क्षयरोग महामारी अन्त्य गर्ने लक्ष्यतर्फ काम गरिरहेका बेला आएको हो । सन् २०१२ देखि चीनमा क्षयरोगको समस्या निरन्तर घटेको छ। घटनादर र मृत्युदर दुवै लगभग ३० प्रतिशतले घटेका छन् भने क्षयरोग निको हुने राष्ट्रिय दर ९० प्रतिशतभन्दा माथि कायम छ।

सरकार र आफ्नो तर्फबाट हार्दिक सहानुभूति जनाउनुभएको छ । चीन बेपत्ता व्यक्तिहरूको खोजी र उद्धार गर्न, प्रभावित व्यक्तिहरूलाई स्थानान्तरण र पुनर्वास गर्न, घाइतेहरूलाई शीघ्र चिकित्सा उपचार प्रदान गर्न, थप हताहतलाई नियन्त्रण गर्न र ठूला विपद् रोकन हसम्भव प्रयास गरिरहेको उहाँले बताउनुभएको छ । राष्ट्रपति सीले भन्नुभएको छ, “चीन र नेपाल पहाड र नदीहरूले जोडिएका र साभ्भा हित र अनुभव शेयर गर्छन् । चीन नेपालको उद्धार प्रयासहरूमा सक्रिय रूपमा सहयोग गर्न र आफ्नो क्षमताअनुसार समन्वय र सहायता प्रदान गर्न तयार छ । दुवै देशका जनता मिलेर विपद्लाई पार गर्न र सकेसम्म चाँडो आफ्ना घरहरू पुनर्निर्माण गर्न सक्षम हुने पनि राष्ट्रपतिलाई पठाएको सन्देशमा उहाँले विश्वास व्यक्त गर्नुभयो । यसअघि, चिनियाँ प्रधानमन्त्री ली छियाङले पनि शुक्रबार नै नेपालका प्रधानमन्त्री बालेन्द्र शहर्हालाई समवेदना सन्देश पठाउनुभएको थियो ।

विनाशकारी बाढीपछि विश्व खेलकुद समुदायको सहानुभूति



टुडे समाचारदाता

जनकपुरधाम । चीनको तिब्बतस्थित हिमताल फुट्दा रसुवाको भोटेकोशीमा आएको विनाशकारी बाढीले नेपालका विभिन्न जिल्लामा ठूलो जनधनको क्षति पुऱ्याएपछि विश्व खेलकुद समुदायले ऐक्यबद्धता जनाएको छ । युरोपका प्रतिष्ठित फुटबल क्लबदेखि भारतका आईपीएल फ्रेन्चाइज र अन्तर्राष्ट्रिय खेल संस्थासम्मले सामाजिक सञ्जाल एक्स र इन्स्टाग्राममाफर्त नेपालका प्रभावित नागरिकप्रति सहानुभूति व्यक्त गरेका हुन् । स्पेन्स ला लिगा च्याम्पियन एफसी बार्सिलोनाले आफ्नो आधिकारिक एक्समाफर्त उद्धार तथा राहत कार्यमा संलग्न सबैप्रति सम्मान व्यक्त गरेको छ । बार्सिलोनाले कठिन घडीमा नेपाली जनतासँग एकजुट रहेको सन्देश दिएको हो । बार्सिलोना र एथ्लेटिक क्लबबीच गए्रातिको खेलअघि मौनधारण समेत गरिएको थियो । अर्को स्पेन्स क्लब एट्लेटिको मड्रिडले पनि एक्समाफर्त संवेदना व्यक्त गर्दै नेपालका बाढीपीडित परिवारप्रति गहिरो दुःख प्रकट गरेको छ । क्लबले आफ्नो सन्देशमा ‘स्टे स्ट्रुड, नेपाल’ लेख्दै प्रभावित

समुदायलाई शक्ति र साहसको कामना गरेको छ । भारतका आईपीएल क्लबहरू पनि नेपालप्रति संवेदनशील देखिएका छन् । राजस्थान रोयल्सले एक्स र इन्स्टाग्राम दुवै माध्यमबाट सहानुभूति सन्देश जारी गरेको छ । चेन्नई सुपर किङ्सले पनि जनधनको क्षति भएको कुराले मर्माहत बनाएको भन्दै सहानुभूति सन्देश जारी गरेको छ । कोलकाता नाइट राइडर्सले एक्समाफर्त नेपालका बाढीपीडित परिवारप्रति संवेदना व्यक्त गर्दै उद्धार तथा राहत कार्यमा खटिएका सुरक्षाकर्मीलाई सलाम गरेको छ । त्यस्तै सनराइजर्स हैदराबादले पनि प्रभावित नागरिकको सुरक्षाको कामना गर्दै नेपालसँग ऐक्यबद्ध रहेको जनाएको छ । फुटबल र क्रिकेट क्लबबाहेक विश्व खेलकुदसँग सम्बन्धित विभिन्न खेलाडी र संस्थाले पनि एक्समाफर्त नेपालका लागि प्रार्थना र समर्थनका सन्देश सार्वजनिक गरेका छन् । भोटेकोशी बाढीले रसुवा, नुवाकोट, धादिङ र त्रिशूली नदी तटीय क्षेत्रमा व्यापक विनाश निम्त्याएको छ । यसमा सयौं मानिसको मृत्यु भएको छ भने ठूलो संख्यामा बेपत्ता भएको पुष्टि भइसकेको छ ।

रवीन्द्र र ताजिमा ‘रोड टु युएफसी’को फाइनलमा भिड्ने

टुडे समाचारदाता

काठमाण्डु । नेपाली फाइटर रवीन्द्र ढाँट र जापानका योँ ताजिमा ‘रोड टु युएफसी’को पाँचौँ सिजनको बाय्न्टमवेट उपाधिका लागि आमनेसामने हुने भएको छ ।

चीनको अक्टगनमा भएको	साँघाईस्थित शुक्रबार सेमिफाइनलमा रवीन्द्रले न्युजिल्यान्डका कासिब मर्डकलाई पराजित गर्दै फाइनलमा स्थान बनाएका छन् । तीन राउन्डको प्रतिस्पर्धापछि रवीन्द्र स्प्लिट डिसिजनमा विजयी भएका छन् । जापानका योँ ताजिमाले भारतका चुन्गेड कोरेनलाई तीन राउन्डको प्रतिस्पर्धामा युनानिमस डिसिजनबाट पराजित गर्दै फाइनलमा स्थान पक्का गरे। यसअघि क्वार्टरफाइनलमा ताजिमाले चीनका ताइ हाइताओलाई पनि स्प्लिट डिसिजनबाट हराएका थिए । ताजिमाको व्यावसायिक एमएमए रेकर्ड १२-३ रहेको छ । उनी सैतामाको चिचिबुबाट आएका जापानी फाइटर हुन् र बाय्न्टमवेट विधामा प्रतिस्पर्धा गर्नेछन् । अब रवीन्द्र र ताजिमाबीचको फाइनल भिडन्त ‘रोड टु युएफसी’को बाय्न्टमवेट उपाधिका
---------------------	--



लागि हुनेछ । प्रतियोगिताको विजेताले युएफसीमा प्रवेश गर्ने महत्त्वपूर्ण अवसर प्राप्त गर्नेछ । रवीन्द्रले ‘रोड टु युएफसी’को क्वार्टरफाइनलमा फिलिपिन्सका किम्बर्ट अलिन्टोजोनलाई दोस्रो राउन्डमा प्रहारामाफर्त टेक्निकल नकआउट गर्दै पराजित गरेका थिए । युएफसीका अनुसार रेफ्रीले ४ मिनेट ३७ सेकेन्डमा दोस्रो राउन्डको खेल रोकेका थिए । शुक्रबार सेमिफाइनलमा उनले अपराजित न्युजिल्यान्डका कासिब मर्डकलाई स्प्लिट डिसिजनमा हराउँदै फाइनलको यात्रा तय गरेका थिए । २७ वर्षीय रवीन्द्र ढाँटको व्यावसायिक एमएमए रेकर्ड १० जित र १ हार रहेको छ । उनका १० जितमध्ये आठ नकआउट/टेक्निकल नकआउट, एक सबमिसन र एक निर्णयमाफर्त आएका छन् । उनी बाय्न्टमवेट विधामा प्रतिस्पर्धा गर्छन् ।

नेपालमा लक एन रोल एमएमएसँग आबद्ध छन् । रवीन्द्रले २०२१ मा व्यावसायिक एमएमए करियर सुरु गरेका थिए। सन् २०२५ मा रवीन्द्रले भारतमा भएको म्याटिक्स फाइट नाइट १७ मा चुन्गेड कोरेनलाई तेस्रो राउन्डमा नकआउट गर्दै बाय्न्टमवेट उपाधि जितेका थिए। उक्त उपाधिसँगै उनी व्यावसायिक एमएमए प्रमोसनमा उपाधि जित्ने पहिलो नेपाली खेलाडी बनेका थिए । अब रवीन्द्रसँग आफ्नो करियरको सबैभन्दा ठूलो उपलब्धि हासिल गर्ने अवसर छ । जापानका योँ ताजिमाविरुद्धको फाइनल जित्न सके उनले ‘रोड टु युएफसी’को बाय्न्टमवेट उपाधिसँगै युएफसीमा प्रवेश गर्ने अवसरसमेत प्राप्त गर्नेछन् । ‘रोड टु युएफसी’को प्रत्येक तौल समूहका विजेताले युएफसी सम्झौताको अवसर समेन पाउने छन् ।

चेल्सीमा गोलकिपर मार्टिनेज

एजेन्सी । चेल्सीले एस्टन भिल्लाका अर्जेन्टीनी गोलरक्षक एमिलियानो मार्टिनेजलाई ७.५ मिलियन पाउन्डमा अनुबन्ध गर्न सहमति गरेको जनाइएको छ । ३३ वर्षीय मार्टिनेजले लन्डनमा मेडिकल परीक्षण गरेपछि चेल्सीमा आबद्ध हुनेछन् । उनको आगमनले स्ट्याम्फोर्ड ब्रिजमा गोलरक्षकको समूह थप बलियो हुने अपेक्षा गरिएको छ । चेल्सीले पछिल्लो समय पहिलो रोजाइका गोलरक्षक रोबर्ट सान्चेजको प्रदर्शनलाई लिएर चिन्ता व्यक्त गर्दै आएको थियो। विशेषगरी सोमबार फुलहममाथि ३-२ को जितमा सान्चेजको प्रदर्शनपछि क्लबले गोलरक्षकको विकल्प खोज्ने निर्णय गरेको छ । यस खेलमा सान्चेजले जोस किङको प्रहार नियन्त्रण गर्न नसक्दा बल हातबाट फुल्नएको थियो। दोस्रो हाफमा पनि उनले अर्को प्रहार खतरनाक क्षेत्रमा खसाल्दा गोज्जालो गार्सियाले गोल गरेका थिए। सान्चेजलाई निरन्तर समर्थन गर्ने पक्षमा रहेको चेल्सीले स्थानान्तरणको अन्तिम मिति नजिकिँदै गर्दा आफ्नो निर्णय परिवर्तन गर्दै मार्टिनेजलाई भित्र्याउन लागेको छ । चेल्सी १७ मिलियन पाउन्डमा जेन्कबाट अनुबन्ध

गरिएका माइक पेन्डर्स पनि गोलरक्षकका रूपमा विकल्पमा छन् । उनले बिहीबार राति लुटन टाउनविरुद्ध काराबाओ कपमा चेल्सीका लागि डेब्यु गर्ने सम्भावना रहेको छ । पामाँबाट जापानी गोलरक्षक जियोन सुजुकीलाई करिब ३० मिलियन पाउन्डमा अनुबन्ध गरेपछि एस्टन भिल्ला मार्टिनेजलाई बेच्न तयार भएको थियो । चेल्सी र भिल्लाबीच पछिल्लो समय खेलाडी कारोबारका धेरै सम्झौता भएका छन्। चेल्सीले भिल्लाबाट मोर्गेन रोजर्सलाई क्लब कीर्तिमानी १ सय १७ मिलियन पाउन्डमा अनुबन्ध गरेको थियो । त्यस्तै, एलेजान्द्रो गार्नाचो गत महिना प्रारम्भिक लोन सम्झौतामा भिल्ला पुगेका थिए । किरिब ६५ मिलियन पाउन्ड मूल्यांकन गरिएका स्ट्राइकर निकोलस ज्याक्सन पनि बिहीबार भिल्ला पार्कमा मेडिकल परीक्षण गराइरहेका थिए । उनी पूर्व भिल्लारियल प्रशिक्षक उनाइ एमरीसँग पुनर्मिलनको तयारीमा छन् । चेल्सी र भिल्लाबीचको सम्बन्ध पछिल्ला वर्षहरूमा निकै नजिक देखिएको छ ।



बाढीपीडितलाई मितेरी बैंकको १० लाख सहयोग

सुनसरी । रसुवा भोटेकोशी नदीमा गएको बाढीबाट प्रभावित क्षेत्रमा खोज, उद्धार, राहत तथा पुनःस्थापनाका लागि मितेरी डेभलपमेन्ट बैंक लिमिटेड धरानले रु १० लाख सहयोग



गरेको छ । बैंकका सञ्चालक तथा कर्मचारीको तर्फबाट प्रधानमन्त्री देवी प्रकोप उद्धार कोषमा जम्मा गर्नेगरी उक्त रकमको चेक आज सुनसरीका प्रमुख जिल्ला अधिकारी ईश्वरीप्रसाद अर्याललाई हस्तान्तरण गरिएको बैंकका सञ्चालक समिति अध्यक्ष क्रिसन मास्केले जानकारी दिनुभयो । बैंकको सामाजिक उत्तरदायित्वअन्तर्गत बाढी

प्रभावितलाई सहयोग गर्ने उद्देश्यले सञ्चालक समिति तथा कर्मचारीको तर्फबाट रकम प्रदान गरिएको मास्केले बताउनुभयो । त्यसैगरी, प्रीति भल्व एन्ड फिटिङ इन्स्ट्रिज प्रालि

धरानका सञ्चालक तथा मितेरी डेभलपमेन्ट बैंकका सञ्चालक समिति सदस्य अशोककुमार अग्रवालले व्यक्तिगततर्फबाट बाढीबाट प्रभावित नागरिकको राहत तथा उद्धारमा सहयोग पुर्याउने उद्देश्यले रु तीन लाखको चेक प्रधानमन्त्री देवी प्रकोप उद्धार कोषमा जम्मा गर्नेगरी प्रमुख जिल्ला अधिकारी अर्याललाई हस्तान्तरण गर्नुभएको छ । रासस

भोटेकोशी बाढीपीडितका लागि इलामका दुई पालिकाद्वारा ३५ लाख सहयोग

इलाम । रसुवाको भोटेकोशी नदीमा आएको बाढीबाट प्रभावित नागरिकको उद्धार, उपचार तथा राहतका लागि इलामका दुई पालिकाले रु ३५ लाख सहयोग गर्ने घोषणा गरेका छन् ।

जिल्लाको चुलाचुली गाउँपालिकाले रु २५ लाख र माई नगरपालिकाले रु १० लाख प्रधानमन्त्री दैवीप्रकोप उद्धार कोषमा जम्मा गर्ने निर्णय गरेका हुन् ।

ि ब ह ि बा र बसेको चुलाचुली गाउँपालिकाको ७६औँ कार्यपालिकाको बैठकले गाउँपालिका अध्यक्ष र उपाध्यक्षद्वारा सात दिनको र वडाध्यक्ष तथा सदस्यद्वारा पाँच दिनको सेवासुविधा प्रधानमन्त्री दैवीप्रकोप उद्धार कोषमा जम्मा गर्ने निर्णय गरिएको गाउँपालिका अध्यक्ष राजेन्द्र केरुङले बताउनुभयो ।

अध्यक्ष केरुङका अनुसार गाउँपालिकाका विभिन्न तहका कर्मचारीको पारिश्रमिक उपलब्ध गराउने निर्णय भएको छ । “भोटेकोशी बाढीबाट प्रभावित नागरिकको उद्धार, उपचार तथा राहतमा सहयोग पुग्ने विश्वाससहित आवश्यक सहयोग उपलब्ध



गराउने निर्णय गरेका छौँ”, अध्यक्ष केरुङले भन्नुभयो, “जनप्रतिनिधि तथा शिक्षक कर्मचारीको तर्फबाट रु २५ लाख सङ्कलन गरी जम्मा गर्नेछौँ ।”

यता बिहीबार नै बसेको माई नगरपालिकाको ६५औँ कार्यपालिका बैठकले सबै जनप्रतिनिधि तर्फबाट १५ दिनको सेवासुविधा र कर्मचारीको तर्फबाट दुई दिनको पारिश्रमिक प्रधानमन्त्री दैवीप्रकोप उद्धार कोषमा जम्मा गर्ने निर्णय गरेको नगरप्रमुख खम्बासिंह लिम्बूले जानकारी दिनुभयो । जनप्रतिनिधि र कर्मचारीबाट

सङ्कलित रकममा नगरपालिकाको विपद् व्यवस्थापन कोषबाट रकम थप गरी रु १० लाख पुर्याइनेछ इलाममा चार नगरपालिकासहित १० स्थानीय तह छन् । **आठ जना सम्पर्कविहीन** यसैबीच, भोटेकोशी बाढीमा विभिन्न काम तथा भ्रमणका सिलसिलामा रहेका इलामका आठ जना सम्पर्कविहीन भएको जानकारी प्राप्त भएको प्रमुख जिल्ला अधिकारी लक्ष्मण ढकालले बताउनुभयो ।

प्रजिअ ढकालका अनुसार बिहीबारसम्म प्राप्त विवरणअनुसार इलामको देउमाई नगरपालिकाका

बुद्धिसागर न्यौपाने र खिनमाया न्यौपाने, माई नगरपालिकाका नरेन्द्रप्रसाद दाहाल, सन्दकपुर गाउँपालिकाका दिवानन्द सुवेदी (दीपक) सम्पर्कविहीन भएका हुन् । उनीहरूमध्ये न्यौपाने दम्पती र दाहाल गोसाईँकुण्ड तीर्थयात्रामा थिए भने सुवेदी उनीहरूका सवारी चालक हुन् ।

त्यस्तै, माईनगरका विनोद राई, फाकफोकथुम गाउँपालिका-६ का लिलाबहादुर थापा (लोक), फाकफोकथुम गाउँपालिका-६ का विनु थेगीम रहेका छन् । उनीहरू तीनै जना रसुवाको मैलुङ गगनी भन्ने स्थानमा निर्माणाधीन जलाविद्युत्

नेपाल चेम्बरद्वारा प्रहरी प्रधान कार्यालयलाई सर्भिलेन्स ड्रोन हस्तान्तरण

दुइ समाचारदाता

काठमाण्डु । नेपाल चेम्बर अफ कमर्सले विपद्बाट प्रभावित नागरिकको उद्धार, राहत तथा पुनःस्थापनामा सहयोग पुर्‍याउने उद्देश्यले प्रहरी प्रधान कार्यालयलाई १७ वटा सर्भिलेन्स ड्रोन हस्तान्तरण गरिएको छ ।

शुक्रबार प्रहरी प्रधान कार्यालय पुगी नेपाल चेम्बर अफ कमर्सका वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं विपद् व्यवस्थापन परिषद्का सभापति दीपक कुमार महोत्राले नेपाल प्रहरीलाई उक्त ड्रोन हस्तान्तरण गरेका छन् । हस्तान्तरण गरिएका ड्रोनमध्ये २ वटा म्याथिक फोर प्रो, ५ वटा एयर श्री एस एफएमसी आरसी टु, २ वटा मिनी फाइभ प्रो प्लस एफएमसी आरसी टु, ६ वटा लिटो



वान प्लस एफएमसी आर श्री तथा २ वटा लिटो एक्स वान एफएमसी आर टु रहेका छन् ।

ड्रोन हस्तान्तरण कार्यक्रममा प्रहरी महानिरीक्षक दानबहादुर कार्की, नेपाल चेम्बर अफ कमर्सका महानिर्देशक देवेन्द्र लामिछाने तथा वरिष्ठ प्रहरी उपरीक्षक

दामोदर कंडेलको उपस्थिति रहेको थियो । विपद्का कारण प्रभावित क्षेत्रमा खोज तथा उद्धार कार्यलाई थप प्रभावकारी, तीव्र र प्राविधिमेत्री बनाउन सर्भिलेन्स ड्रोनले महत्वपूर्ण सहयोग पुग्ने अपेक्षा गरिएको चेम्बरले जनाएको छ । काठन भौगोलिक अवस्था

तथा जोखिमयुक्त क्षेत्रमा मानिसको पहुँच सीमित हुने भएकाले ड्रोनमार्फत प्रभावित क्षेत्रको निगरानी, अवस्थाको पहिचान तथा उद्धार कार्यको समन्वयमा सहयोग पुग्ने विश्वास लिइएको छ । उद्धार कार्यलाई थप प्रभावकारी बनाउन चेम्बरले यसअघि नै ५० केजी

उद्धार कार्य जारी छ : मन्त्री श्रेष्ठ

दुइ समाचारदाता

काठमाण्डु । अपर त्रिशूली-३ ‘बी’ आयोजनाको क्याम्प क्षेत्र पहिरोको लेदोले पूर्ण रूपमा पुरिएकाहरूको उद्धार कार्य जारी रहेको छ । अत्यन्त कठिन र जोखिमपूर्ण परिस्थितिका बिच उद्धार तथा पहुँच स्थापना गर्ने कार्य निरन्तर अगाडि बढिरहेको छ ।

हेलिकप्टरबाट आयोजनास्थलको बारम्बार हवाई निरीक्षण गरी अवस्था मूल्याङ्कन भइरहेको छ। आवश्यक उपकरण ‘एक्सकाभेटर’ समेत हेलिकप्टरमार्फत घटनास्थलमा ढुवानी गरी काम सुरु गरिएको छ। उद्धार तथा खोजी कार्यलाई थप प्रभावकारी बनाउन आवश्यक सबै प्रयास अघि बढाइएको जानकारी उर्जामन्त्री विराजभक्त श्रेष्ठको फेसबुक पोस्टमार्फत दिइएको छ। मानवीय उद्धार पहिलो जिम्मेवारी भएकाले सबैको सुरक्षित उद्धार नभएसम्म प्रयास निरन्तर रहने प्रतिबद्धता व्यक्त गरिएको छ। यस संवेदनशील समयमा सम्पूर्ण धैर्य र संयम अपनाउन तथा अपुष्ट सूचना र हल्लाको पछि नलागी परिचालन गरी गोसाईँकुण्ड गाउँपालिका ६ स्थित रसुवा सदरमुकाम धुन्चेमा मोबाइल स्टेशन सञ्चालनमा ल्याएको



दुइ समाचारदाता

काठमाण्डु । नेपाल टेलिकमले बाढीबाट प्रभावित रसुवा, नुवाकोट, धादिङ लगायतका जिल्लाहरूमा दूरसञ्चार सेवा पुनः सञ्चालन गर्ने कार्यलाई तीव्ररूपमा अगाडि बढाएको छ । बाढी प्रभावित क्षेत्रका कुल १२० साइटहरूमध्ये हालसम्म ८० साइटहरूमा सेवा सुरुचरू भइसकेको टेलिकमले प्रेस विज्ञप्ति जारी गर्दै जानकारी दिएको छ ।

टेलिकमले भदौ ११ गते हेलिकप्टरमार्फत कर्मचारी परिचालन गरी गोसाईँकुण्ड गाउँपालिका ६ स्थित रसुवा सदरमुकाम धुन्चेमा मोबाइल स्टेशन सञ्चालनमा ल्याएको

थियो। भदौ १२ गते बिहानैदेखि प्राविधिकहरू रसुवा, नुवाकोट र धादिङका बाढी प्रभावित क्षेत्रमा मोबाइल सेवा पुनः सञ्चालन गर्न तथा सञ्चालित टावरहरूलाई थप भरपर्दो बनाउन निरन्तर खटिएका छन्।

रसुवा जिल्लामा बाढीका कारण बन्द भएको गोसाईँकुण्ड गाउँपालिका ५ स्थित गोलजुङ टावर (बाहुनडाँडा) सञ्चालनमा आएको छ। यसबाट स्याफुबेसी, पार्वतीकुण्ड गाउँपालिका वडा नं ४ र ५, गोसाईँकुण्ड गाउँपालिका वडा नं ३ र ५ तथा स्याफुबेसी-टिम्पुरे राजमार्गका केही भागमा सेवा सुरुचरू भएको छ।

नुवाकोटको सूर्यगढी गाउँपालिका वडा नं ३ मा रहेको

गेर्खु मोबाइल टावर सञ्चालनमा आएसँगै विदुर नगरपालिका वडा नं १० र ११ तथा सूर्यगढी गाउँपालिका वडा नं ४ का केही भागमा दूरसञ्चार सेवा पुनः सुरु भएको छ। विदुर नगरपालिका-८ मा अवस्थित तुप्चे टावर र गोसाईँकुण्ड गाउँपालिका वडा नं २, टिम्पुरे माथिको डाँडामा रहेको टावरमा हेलिकप्टरमार्फत जेनेरेटर, पेट्रोल तथा प्राविधिकहरू खटाएर सेवा सुरु गर्ने काम भइरहेको छ।

नेपाल टेलिकमका प्राविधिक कर्मचारीहरू भदौ १० गतेदेखि नै रसुवा जिल्लाको न्यौपानेचौर, राम्चे, गोलजुङ र धुन्चे स्टेशनमा अनवरत खटिएका छन्। विपद् को समयमा नागरिकको सञ्चार

पेलोड क्षमताको एउटा ड्रोन र एउटा सर्भिलेन्स ड्रोन विदुर नगरपालिकामा पठाइसकेको छ ।

त्यस्तै प्रभावित क्षेत्रमा सञ्चार तथा अत्यावश्यक विद्युतीय उपकरण सञ्चालनमा सहयोग पुग्ने उद्देश्यले चेम्बरले १२५ वटा पावर बैंक समेत उपलब्ध गराइसकेको छ ।

चेम्बरले विपद् प्रभावित नागरिकका लागि राहत संकलन तथा वितरण अभियानसमेत अघि बढाएको छ ।

चेम्बरले रसुवा, नुवाकोट तथा धादिङलगायत प्रभावित जिल्लामा तत्कालै नगद तथा जिन्सी सहयोग उपलब्ध गराएको छ । राहत अभियानलाई अगाडी बढाउँदै सहयोग कार्यलाई निरन्तरता दिने चेम्बरले जनाएको छ ।



काठमाण्डु । नेपाल राष्ट्र बैंकले आजका लागि विदेशी मुद्राको विनिमयदर निर्धारण गरेको छ । राष्ट्र बैंकका अनुसार अमेरिकी डलर एकको खरिददर १५२ रुपैयाँ ५७ पैसा र बिक्रीदर २२ रुपैयाँ ७९ पैसा, साउदी अरेबियन रियाल एकको खरिददर ४० रुपैयाँ ६४ पैसा र बिक्रीदर ४० रुपैयाँ ८० पैसा, कतारी रियाल एकको खरिददर ४१ रुपैयाँ ८५ पैसा र बिक्रीदर ४२ रुपैयाँ ०२ पैसा कायम भएको छ ।

केन्द्रीय बैंकका अनुसार थाई भाट एकको खरिददर चार रुपैयाँ ६४ पैसा र बिक्रीदर चार रुपैयाँ ६६ पैसा, युएई दिराम एकको खरिददर ४१ रुपैयाँ ५४ पैसा र बिक्रीदर ४१ रुपैयाँ ७१ पैसा, मलेसियन रिङ्गेट एकको खरिददर ३७ रुपैयाँ ८३ पैसा र बिक्रीदर ३७ रुपैयाँ ९८ पैसा, साउथ कोरियन वन १०० को खरिददर ११ रुपैयाँ ०३ पैसा र बिक्रीदर ११ रुपैयाँ ०८ पैसा, स्वीडिस क्रोनर एकको खरिददर १६ रुपैयाँ र बिक्रीदर १६ रुपैयाँ ०६ पैसा र डेनिस क्रोनर एकको खरिददर २३

रुपैयाँ ७६ पैसा र बिक्रीदर २३ रुपैयाँ ८५ पैसा तोकिएको छ । राष्ट्र बैंकले हङकङ डलर एकको खरिददर १९ रुपैयाँ ४६ पैसा र बिक्रीदर १९ रुपैयाँ ५४ पैसा, कुवेती दिनार एकको खरिददर ४९७ रुपैयाँ २१ पैसा र बिक्रीदर ४९९ रुपैयाँ १७ पैसा, बहराइन दिनार एकको खरिददर ४०४ रुपैयाँ ६९ पैसा बिक्रीदर ४०६ रुपैयाँ २८ पैसा, ओमनी रियाल एकको खरिददर ३९६ रुपैयाँ ३० पैसा र बिक्रीदर ३९७ रुपैयाँ ८६ पैसा रहेको छ ।

भारतीय रुपैयाँ एक सयको खरिददर १६० रुपैयाँ र बिक्रीदर १६० रुपैयाँ १५ पैसा तोकेको छ । राष्ट्र बैंकले यो विनिमयदरलाई आवश्यकतानुसार जुनसुकै समयमा पनि संशोधन गर्न सकिने जनाएको छ । वाणिज्य बैंकले तोक्ने विनिमयदर भने फरक हुनसक्ने र अद्यावधिक विनिमयदर केन्द्रीय बैंकको ‘वेबसाइट’मा उपलब्ध हुने जनाइएको छ । रासस

बाढीबाट यातायात क्षेत्रमा भएको क्षतिबारे अध्ययन गर्न समिति गठन



काठमाण्डु । नेपाल यातायात व्यवसायी राष्ट्रिय महासंघले भोटेकोशी बाढीबाट यातायात क्षेत्रमा भएको क्षतिबारे अध्ययन गर्न समिति गठन गरेको छ ।

महासङ्घका अध्यक्ष सरोज सिटौलाको अध्यक्षतामा बिहीबार बसेको महासंघको आकस्मिक बैठकले बाढीबाट भएको मानवीय एवं सवार िसाधनको क्षतिको अध्ययन गर्न कोषाध्यक्ष राजेन्द्र आचार्यको संयोजकत्वमा सदस्यीय समिति गठन गरेको हो ।

समितिको सदस्यमा दिलबहादुर श्रेष्ठ, नरबहादुर राना र सुवन गिरीलगायत हुनुहुन्छ । समितिले बेपत्ता भएका सवारीसाधन, व्यवसायी, मजदुरको अवस्था पत्ता लगाउनेछ । यस्तै, यात्रीहरूको अवस्था र क्षतिको विवरण सङ्कलन गर्नेछ ।

महासङ्घका महासचिव डेकनाथ गौतमले बाढी प्रभावित क्षेत्रमा व्यवसायी, मजदुर वा यात्री अलपत्र परेको कुनै जानकारी भएमा महासङ्घको सचिवालयमा सम्पर्क गर्न अनुरोध गर्नुभएको छ । रासस

विदेशी मुद्राको विनिमयदर

JOB ANNOUNCEMENT

United Nations Development Programme (UNDP) Nepal works with the people and Government of Nepal, and other development partners to pursue equitable and sustainable human development goals through eradication of poverty, increase in livelihood opportunities, improvement in community resilience against conflict, disasters, and impact of climate

UNDP Nepal is seeking applications from qualified and result oriented Nepalese citizens for the following assignments:

S.N.	Position Title	Level	No. of Positions	Duty Station	First Date of Publication	Application Deadline
1	Administration and Finance Analyst - Roster Recruitment	NPSA 8	1 (One)	For roster (to be placed in Kathmandu and provincial offices within Nepal as per the requirement)	4 August, 2026	9 September, 2026
2	Knowledge Management Analyst	NPSA 8	1 (One)	Kathmandu, Nepal	26 August, 2026	9 September, 2026

Weblink for application: <https://www.undp.org/nepal/jobs>

Only short-listed candidates will be contacted, and UNDP retains the right to contact referees directly during the selection process.

UNDP is committed to achieve work force diversity and has a policy to have gender balance among staffs at all levels. Work experience and/or academic knowledge in relation to gender and social inclusion will be an added advantage. Qualified Women, Dalits, Janajatis, Madhesis, Persons with Disabilities, gender and sexual minorities and other minorities are specially encouraged to apply.

United Nations has a zero-tolerance against Sexual exploitation and Abuse (SEA) and Sexual Harassment (SH). Everyone is responsible for Preventing Sexual Exploitation and Abuse and Sexual Harassment (PSEA and SH), and all UN personnel must adhere to the standards of conduct that preserves PSEA principles (both during work hours and outside work hours). All selected candidates will, therefore, go through a safe hiring process.

All applications will be treated with highest confidentiality.



